मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 92
शनिवार, 12 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

राजनाथ सिंह ने सेना कमांडरों के अहम सम्मेलन को किया संबोधित

कहा-'प्रेरणा स्थल' ने बहादुर जवानों के बलिदान को इतिहास में अंकित कर दिया

नईदिल्ली, 11 अक्टूबर। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं हमारे 22 जवानों के बारे में देख रहा था, तो एक बात पर मैंने गौर किया। उन 22 जवानों में से कोई जवान नागालैंड से था, तो कोई उत्तर प्रदेश से, कोई तमिलनाडु से, कोई राजस्थान से, कोई तेलंगाना से, तो कोई आसाम से था। मतलब भारत के लगभग सभी क्षेत्र के सैनिक उस सूची में थे। भारत के अलग-अलग हिस्सों के होने के बावजूद, इन सैनिकों ने यहाँ के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस प्रेरणा स्थल के निर्माण ने हमारे उन बहादुर जवानों के बलिदान को इतिहास में हमेशा के लिए अंकित कर दिया है जब तक यह स्थल रहेगा तब तक यह इस क्षेत्र के लोगों को हमारे जवानों के शौर्य से परिचित कराएगा और उन्हें प्रेरणा देगा। मैं हमारे 22 जवानों के बारे में देख रहा था, तो एक बात पर मैंने गौर किया। उन 22 जवानों में से कोई जवान नागालैंड से था, तो कोई उत्तर प्रदेश से, कोई तमिलनाडु से, कोई राजस्थान से, कोई

तेलंगाना से, तो कोई आसाम से था। मतलब भारत के लगभग सभी क्षेत्र के सैनिक उस सूची में थे। भारत के अलग-अलग हिस्सों के होने के बावजूद, इन सैनिकों ने यहाँ के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। सम्मेलन में सिंह ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को मुख्य भाषण भी दिया। रक्षा मंत्री ने वर्तमान जटिल और अस्पष्ट विश्व स्थिति पर जोर दिया जो विश्व स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड युद्ध सहित अपरंपरागत और असममित युद्ध भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होगा और यह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रहे हालिया संघर्षों में स्पष्ट है। इससे यह जरूरी हो गया है कि सशस्त्र बलों को इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए।ह योजना बनाना और वैश्विक लोगों को शामिल करने के लिए रणनीति तैयार करना, वर्तमान के साथ-साथ अतीत में भी हुआ, ताकि क्षति नियंत्रण को रोका जा सके। बैठक में एलएसी पर संवेदनशील स्थिति का जायजा लिया गया, खासकर लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में जहां दोनों पक्ष नियमित आधार पर गतिरोध और आमने-सामने हो रहे हैं। सम्मेलन दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है. पहला चरण गंगटोक में 10-11 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण दिल्ली में 28-29 अक्टूबर, 2024 तक निर्धारित है। रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि यह पहली बार है कि शीर्ष सेना कमांडरों की महत्वपूर्ण बैठक वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब किसी स्थान पर होगी।

जिस इलाके में तैनात हैं भारतीय सैनिक, इजरायल के टैंकों ने बोला हमला

मोदी सरकार की तरफ से आया बड़ा रिएक्शन

नईदिल्ली, 11 अक्टूबर। भारत ने दक्षिण लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की है। वे क्षेत्र में हिजबुल्लाह ठिकानों पर इजरायली बलों की गोलीबारी का शिकार हो गए थे। विशेष रूप से, 600 भारतीय सैनिक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन का हिस्सा हैं, और इजराइल-लेबनान सीमा पर 120 किलोमीटर लंबी ब्लू लाइन पर तैनात हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम ब्लू लाइन पर बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित हैं। हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र परिसर की हिंसा का सभी को सम्मान करना चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए। संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सुरक्षा और उनके जनादेश की पवित्रता सुनिश्चित करें। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र परिसरों की पवित्रता का सभी को सम्मान करना चाहिए तथा संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सुरक्षा और उनके कार्यक्षेत्र की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षण मिशन लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने 10 अक्टूबर को एक बयान में कहा कि ब्लू लाइन पर हाल में तनाव बढ़ने से दक्षिण लेबनान में कस्बों और गांवों में व्यापक विनाश हो रहा है। बयान में आरोप लगाया गया, पिछले दिनों में, हमने नकौरा और अन्य क्षेत्रों में लेबनान में इजराइल की ओर से घुसपैठ देखी है। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के सैनिकों ने लेबनान में हिजबुल्ला के तत्वों के साथ संघर्ष किया है। यूएनआईएफआईएल के प्रवक्ता ने बताया, वे इंडोनेशियाई नागरिक हैं।

तमिल नाडु के तिरुवल्लूर में खड़ी ट्रेन से टकराई बागमती एक्सप्रेस, बोगियों में लगी आग, कई लोगों के घायल होने की खबर

चेन्नई, 11 अक्टूबर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर से बड़े रेल हादसे की खबर है, जहां मैसूर से दरभंगा जाने वाली बागमती सुपरफास्ट एक्स्प्रेस खड़ी ट्रेन से टकरा गई। हादसे के कारण ट्रेन में आग लगने की भी खबर है। तिरुवल्लूर पुलिस ने एजेंसी को बताया कि मैसूर से दरभंगा होते हुए पेरम्बूर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन तिरुवल्लूर के पास कवारप्पेट्टई रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई। रेलवे अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने रेलवे पुलिस के हवाले से बताया कि तमिलनाडु के कवरपेट्टई में एक्सप्रेस ट्रेन ने खड़ी ट्रेन को टक्कर मारी। पुलिस ने हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी आशंका जताई है। पुलिस ने एजेंसी को बताया कि बचाव दल और एम्बुलेंस घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। घटना से जुड़ी अधिक जानकारी की फिलहाल प्रतीक्षा की जा रही है। जानकारी के अनुसार हादसे में बागमती सुपरफास्ट पेरंबुर से खुलने के 10 मिनट बाद डिरेल हो गई। पीछे का 3 कोच पूरी तरह क्षतिग्रस्त है और कोच भी डिरेल हुआ है।

दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़, अज्ञात लोगों ने तोड़ा देवी की मूर्ति का हाथ

हैदराबाद, 11 अक्टूबर। अज्ञात व्यक्तियों ने शुक्रवार तड़के नामपल्ली में एक दुर्गा पंडाल में देवी की मूर्ति को आंशिक रूप से खंडित कर दिया। स्थानीय बेगम बाजार पुलिस ने कहा कि मूर्ति के पास रखी पूजा सामग्री को अज्ञात आरोपियों ने तोड़ दिया। इसके अलावा मूर्ति का एक हिस्सा भी टूटा हुआ मिला। मूर्ति नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान के अंदर एक पंडाल में स्थापित की गई थी। पंडाल के आयोजकों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि यह अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जानबूझकर किया गया कृत्य था। हैदराबाद के बेगम बाजार पुलिस स्टेशन की सीमा में नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में एक दुर्गा पूजा पंडाल में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हुंडी (दान पेटी) को एक तरफ ले जाने के कारण देवी दुर्गा की मूर्ति को हुए नुकसान को लेकर लोगों ने नामपल्ली की मुख्य सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, बीजेपी नेता माधवी लता ने कहा कि पूरी घटना असभ्य है, असंस्कृत है। उन्होंने जिस तरह का व्यवहार किया है, वह स्वभाव से ही बहुत सांप्रदायिक है। उन्होंने का कि यह प्रदर्शनी मैदान में हुआ जहां कोई भी आम आदमी बिना कुछ सोचे-समझे तोड़फोड़ के प्रवेश नहीं कर सकता। हमने पुलिस से अनुरोध किया, उन्होंने 24 घंटे का समय देने की बात कही है। भाजपा नेत्री ने आगे कहा कि पुलिस ने हमसे वादा किया है कि जिसने भी ऐसा किया है उसे बाहर निकाला जाएगा और अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो कल आप मुझे पुलिस स्टेशन में धरने पर देखेंगे। पंडाल में एक चौकीदार था जो सुबह 3 बजे तक वहां मौजूद था। जब वह पास के कॉलेज में नेचर कॉल में भाग लेने गया, तो अज्ञात आरोपी अंदर घुस आया और अपराध को अंजाम दिया।

आतिशी को आवंटित किया गया बंगला, पीडब्ल्यूडी ने सौंपी चाबी

नईदिल्ली, 11 अक्टूबर। दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास को लेकर सियासत का अंत होता दिखाई दे रहा है। आज आधिकारिक तौर पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को 6, फ्लैगस्टाफ रोड पर सिविल लाइंस आवास आवंटित किया है। लोक निर्माण विभाग के उप सचिव (आवंटन) के एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि आबंटन निदेशक, लोक निर्माण विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार की माननीय मुख्यमंत्री सुश्री आतिशी को निम्नलिखित लोक निर्माण विभाग जनरल पूल बंगले की पेशकश करते हुए प्रसन्न हैं।

पत्र में आगे कहा गया है कि मुख्यमंत्री को अधिसूचना जारी होने के आठ दिनों के भीतर बंगले की स्वीकृति जमा करनी होगी, वहीं आतिशी को आधिकारिक आवास पर कब्जा करने के 15 दिनों के भीतर वह आवास खाली करना होगा जिसमें वह वर्तमान में रह रही हैं। इससे पहले शुक्रवार को, आम आदमी पार्टी (आप) ने तस्वीरें साझा कीं, जिसमें आतिशी अपने कालकाजी आवास पर अपने सामान के पैक डिब्बों से घिरी हुई फाइलों पर हस्ताक्षर करती दिख रही हैं। इससे एक दिन पहले पार्टी ने दावा किया था कि उनसे राष्ट्रीय राजधानी में 6, फ्लैग स्टाफ रोड बंगले को जबरन खाली कराया गया था। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास 4 अक्टूबर को खाली किया था। आतिशी इस आवास में 7 अक्टूबर को शिफ्ट हुई थीं। लेकिन 8 अक्टूबर को दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बड़ा आरोप लगा दिया। उन्होंने दावा किया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा 6 अक्टूबर को मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष सचिव को पत्र लिखकर चाबी सौंपने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसका मतलब है कि केजरीवाल ने अपना आवास खाली किया ही नहीं था। इसके बाद 9 अक्टूबर का दिन आता है। आतिशी के समान को घर से बाहर निकाल कर इसे पूरी तरीके से सील कर दिया जाता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्यों मुख्यमंत्री आतिशी का सामान बाहर करके आवास को सील किया गया? दरअसल, आरोप है कि इस बंगले को विधिवत तरीके से पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट को हैंडोवर नहीं किया गया। इतना ही नहीं, उससे पहले ही मुख्यमंत्री आतिशी का सामान इस बंगले में पहुंचा दिया गया। आरोप लग रहा है कि केजरीवाल के बंगला खाली करने के बाद यह आतिशी को अभी अलॉट भी नहीं किया गया था। आवास किसको अलॉट करना है, इसका अधिकार पीडब्ल्यूडी के पास होता है।

अब कभी किसी भी पार्टी से नहीं होगा गठबंधनः मायावती

लखनऊ, 11 अक्टूबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी किसी भी क्षेत्रीय दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उनकी घोषणा हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हुई, जिसमें उन्होंने एक क्षेत्रीय पार्टी के साथ लड़ाई लड़ी और एक भी सीट नहीं जीत सकी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी दादा किया कि भाजपा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधनों से भी उनकी दूरी बरकरार रखेगी।

उत्तर प्रदेश के चार बार के पूर्व मुख्यमंत्री ने हिंदी में पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा कि यूपी सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बीएसपी का वोट गठबंधन की पार्टी को ट्रांसफर हो जाने किन्तु उनका वोट बीएसपी को ट्रांसफर कराने की क्षमता उनमें नहीं होने के कारण अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कैडर को निराशा व उससे होने वाले मूवमेन्ट की हानि को बचाना जरूरी। उन्होंने आगे कहा कि इसी संदर्भ में हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम व इससे पहले पंजाब चुनाव के कड़वे अनुभव के मद्देनजर आज हरियाणा व पंजाब की समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय पार्टियों से भी अब आगे गठबंधन नहीं करने का निर्णय, जबकि भाजपा/एनडीए व कांग्रेस/इण्डिया गठबंधन से दूरी पहले की तरह ही जारी रहेगी।

बसपा प्रमुख ने कहा कि देश की एकमात्र प्रतिष्ठित अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी व उसके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के कारवाँ को हर प्रकार से कमजोर करने की चौतरफा जातिवादी कोशिशें लगातार जारी हैं, जिस क्रम में अपना उद्धार स्वंय करने योग्य व शासक वर्ग बनने की प्रक्रिया पहले की तरह ही जारी रखनी जरूरी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बीएसपी विभिन्न पार्टियों/संगठनों व उनके स्वार्थी नेताओं को जोड़ने के लिए नहीं, बल्कि बहुजन समाज के विभिन्न अंगों को आपसी भाईचारा व सहयोग के बल पर संगठित होकर राजनीतिक शक्ति बनाने व उनको शासक वर्ग बनाने का आन्दोलन है, जिसे अब इधर-उधर में ध्यान भटकाना अति-हानिकारक है।

बसपा ने हरियाणा चुनाव इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के साथ गठबंधन में लड़ा था। चुनाव आयोग के अनुसार, 90 सदस्यीय विधानसभा सदन में, भाजपा ने 48 सीटें जीतकर ऐतिहासिक तीसरी बार कार्यकाल प्राप्त किया, जबकि कांग्रेस 37 और इनेलो केवल दो सीटों पर जीत हासिल कर पाई, जबकि तीन सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलीं।

नई दिल्ली से श्रीनगर के लिए शुरू होगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर।। भारतीय रेलवे लगातार आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रही है। 2019 में, वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन लॉन्च की गई, जो अब भारत की सबसे तेज ट्रेन है। इससे पहले यह खिताब दिल्ली-भोपाल शताब्दी के पास था। 2019 से 14 सितंबर 2024 तक, भारत ने 60 वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं। ये ट्रेनें 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 280 से अधिक जिलों को कवर करती हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस का किराया नियमित एसी ट्रेनों से थोड़ा अधिक है। भारतीय रेलवे अब वंदे भारत एक्सप्रेस का स्लीपर संस्करण पेश करने की तैयारी में

है, जिसके अगले साल तक पटरी पर आने की उम्मीद है। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन नई दिल्ली से श्रीनगर तक चलेगी। सितंबर 2024 में, भारत के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के प्रोटोटाइप का अनावरण किया। अनुमान है कि जनवरी 2025 तक भारत को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिल जाएगी, जो नई दिल्ली और श्रीनगर के बीच चलेगी। यह ट्रेन उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना के तहत संचालित होगी। स्लीपर ट्रेन 800 किलोमीटर की दूरी 13 घंटे से भी कम समय में तय करेगी। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, ट्रेन शुरूआत में नई दिल्ली और श्रीनगर के बीच चलेगी और बाद में इसे बारामूला तक बढ़ाया जाएगा। नई दिल्ली-श्रीनगर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अंबाला कैंट जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, कटुआ, जम्मू तवी, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, संगलदान और बनिहाल जैसे स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन शाम 7 बजे नई दिल्ली से रवाना होगी और सुबह 8 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। यात्रियों के पास तीन कोच विकल्प होंगेः एसी 3-टियर (3ए), एसी 2-टियर (2ए), और एसी फर्स्ट क्लास (1ए)।

नई दिल्ली-श्रीनगर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया एसी 3-टियर के लिए लगभग 2,000 रुपये, एसी 2-टियर के लिए 2,500 रुपये और एसी फर्स्ट क्लास के लिए 3,000 रुपये होने की उम्मीद है।

टेस्ट के बाद टी-20 में करो 'क्लीन स्वीप', 2-0 से अजेय बढ़त ले चुकी है भारतीय टीम

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम करने वाली भारतीय टीम जब शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20क मुकाबले में उतरेगी तो उसकी निगाहें यहां क्लीन स्वीप करने पर होंगी। ग्वालियर और दिल्ली में धमाकेदार जीत के बाद सीरीज में अजेय बढ़त बना चुकी सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम इस मुकाबले में बेंच स्ट्रेंथ को आजमा सकती है। भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देकर इस टी-20 सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया, जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है। फिलहाल संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की आरंभिक जोड़ी का प्रदर्शन टीम के लिए थोड़ी चिंता का विषय होगा। सैमसन को पारी शुरू करने का मौका दिया गया, लेकिन केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक इसका लाभ नहीं उठा पाया है। संजू ने पहेल मैच में 29 और दूसरे मैच में केवल 10 रन ही बनाए थे। ऐसे में भारतीय टीम प्रबंधन यहां बेंच पर अपनी बारी का इंतजार कर रहे दूसरे विकेटकीपर जितेश शर्मा को भी परख सकता है। हालांकि, अगर संजू को बाहर किया जाता है तो अभिषेक के साथ पारी की शुरूआत कौन करेगा, यह भी देखने वाली बात होगी। इसके अलावा भारतीय टीम प्रबंधन लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और ऑलराउंडर हर्षित राणा को भी मौका देने पर विचार कर सकता है। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्राफी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन कुछ अच्छे विकल्प तैयार करने पर भी ध्यान दे रहा है। फिर चाहे वह तेज गेंदबाज मयंक यादव हों या स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कोच गौतम गंभीर उनके प्रदर्शन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इन खिलाड़ियों ने भी अभी तक अपने मुख्य कोच को निराश नहीं किया है। मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे, लेकिन इस सीरीज में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है।

अवकाश

विजय दशमी के शुभ अवसर पर समाचार पत्र का प्रकाशन बंद रहेगा। अगला अंक एक दिन बाद प्रकाशित होगा।

-संपादक

दशहरा शक्ति की साधना, कर्म एवं नवसृजन का पर्व

दशहरा पर्व 12 अक्टूबर 2024 पर विशेष

-ललित गर्ग

भारतीय त्योहार एवं मेले जहां संस्कृति के अभिन्न अंग हैं वहीं प्रेरणाओं से भी जुड़े हैं। एक ऐसा ही अनूठा पर्व है दशहरा। भारत के लगभग सभी भागों में दशहरे का पर्व एक महा- उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिसे विजयदशमी भी कहा जाता है। यह पर्व बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक पर्व है, यह पर्व देश की सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीयता को नवऊर्जा देने का भी पर्व है। आज भी अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी पर्व की संस्कृति को जीवंत बनाने की जरूरत है। बहुत कठिन है यह बुराइयों से संघर्ष करने का सफर। बहुत कठिन है तेजस्विता की यह साधना। बहुत जटिल है स्व-अस्तित्व एवं स्व-पहचान को ऊंचा शिखर देना। आखिर कैसे संघर्ष करें घर में छिपी बुराइयों से, जब हर घर आंगण में रावण-ही-रावण पैदा हो रहे हो, चाहे भ्रष्टाचार के रूप में हो, चाहे राजनीतिक अपराधीकरण के रूप में, चाहे साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वालों के रूप में हो, चाहे राष्ट्र को तोड़ने वाले आतंकवाद के रूप में हो, चाहे शिक्षा, चिकित्सा एवं न्याय को व्यापार बनाने वालों के रूप में। यह उत्सव प्रतिवर्ष मनाते हुए जहां शक्ति की कामना की जाती है, वहीं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों की ओर ध्यान खींचा जाता है। इससे नये प्रेरणा, नई ताजगी, नई शक्ति एवं नई दिशाएं मिलती है।

दशहरा भारत का ह्यराष्ट्रीय त्योहारह्न है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। ब्रज के मन्दिरों में इस दिन विशेष दर्शन होते हैं। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजयादशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। भगवान श्रीराम शक्ति की देवी माँ दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक माँ दुर्गा की पूजा की, इसके बाद भाई लक्ष्मण, भक्त हनुमान, और बंदरों की सेना के साथ एक बड़ा युद्ध लड़कर दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। सीता को छुड़ाया। इसलिए विजयादशमी बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश का एक बहुत ही प्रेरणा का पर्व है। इस दिन रावण, उसके भाई कुम्भकर्ण और पुत्र मेघनाद के पुतले खुली जगह में जलाए जाते हैं। दशहरा पर्व कृषि उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है। भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी राजाओं के युद्ध प्रयाण के लिए यही ऋतु निश्चित एवं सर्वाधिक अनुकूल थी। शमी पूजा भी प्राचीन है। वैदिक यज्ञों के लिए शमी वृक्ष में उगे अश्वत्थ (पीपल) की दो टहनियों (अरणियों) से अग्नि उत्पन्न की जाती थी। अग्नि शक्ति एवं साहस की द्योतक है, शमी की लकड़ी के कुंदे अग्नि उत्पत्ति में सहायक होते हैं। जहाँ अग्नि एवं शमी की पवित्रता एवं उपयोगिता की ओर मंत्रसिक्त संकेत हैं। इस उत्सव का सम्बन्ध नवरात्र से भी है क्योंकि इसमें महिषासुर के विरोध में देवी के साहसपूर्ण कृत्यों का भी उल्लेख होता है और नवरात्र के उपरांत ही यह उत्सव होता है। दशहरा शक्ति की साधना, कर्म एवं पूजा का भी पर्व है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। भगवान श्रीराम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है। आज दशहरा का पर्व मनाते हुए सबसे बड़ी जरूरत भीतर के रावण को जलाने की है। क्योंकि ईमानदार प्रयत्नों का सफर कैसे बढ़े आगे जब शुरूआत में ही लगने लगे कि जो काम मैं अब तक नहीं कर सका, भला दूसरों को भी हम कैसे करने दें? कितना बौना चिन्तन है आदमी के मन का कि मैं तो बुरा हूं ही पर दूसरा भी कोई अच्छा न बने। इस बौने चिन्तन के रावण को जलाना जरूरी है। दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है। यह देश की सांस्कृतिक एकता और अखण्डता को जोड़ने का पर्व भी है। इस वर्ष का विजयादशमी पर्व इसलिये विशेष है, क्योंकि इस पर्व की सकारात्मक क्रांतिकारी ऊर्जा से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया जाना है बल्कि पडौसी पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा एवं सावधान भी किया जाना है। आजादी के अमृत काल में राष्ट्र को शताब्दी वर्ष के लिये सशक्त किया जाना है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह एक शक्तिशाली नेतृत्व का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है।

दशहरा शक्ति की साधना, कर्म, नवसृजन एवं पूजा का भी पर्व है। पिछले आठ दशकों में लगातार हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें होती रही है। दरअसल हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वाग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे है। चार्वाक जैसे भौतिकवादी विचारक को भी इस देश ने ऋषि की उपाधि दी गई जिसने कहा था कि ह्यऋणं कृत्वा घृतं पीवेतह्न अर्थात जो भी है वह आज है, कल किसने देखा है इसलिए आज को भरपूर ढंग से जीना चाहिए और कर्जा लेकर भी अगर घर करना पड़े तो करना चाहिए। इसके साथ ही हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश भी दिया कि सत्यं ब्रूयात न ब्रूयात सत्यं अप्रियं अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो। हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व-रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू धर्म से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। इसी विचारधारा को बल देने का सशक्त माध्यम है विजयादशमी पर्व। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। स्कंदपुराण के अनुसार गंगा दशहरे के दिन व्यक्ति को किसी भी पवित्र नदी पर जाकर स्नान, ध्यान तथा दान करना चाहिए। इससे वह अपने सभी पापों से मुक्ति पाता है। इस गंगा दशहरे पर स्वयं को पापों को धोने के साथ-साथ जरूरत जन-जन के मनों को भी मांजने की है। जरूरत उन अंधेरी गलियों को बुहारने की है ताकि बाद में आने वाली पीढ़ी कभी अपने लक्ष्य से न भटक जाये। जरूरत है सत्य की तलाश शुरू करने की जहां न तर्क हो, न सन्देह हो, न जल्दबाजी हो, न ऊहापोह हो, न स्वार्थों का सौदा हो और न दिमागी बैशाखियों का सहारा हो। वहां हम स्वयं सत्य खोजें। मनुष्य मनुष्य को जोड़े। दशहरा एक चुनौती बनना चाहिए उन लोगों के लिये जो अकर्मण्य, आलसी, निठल्ले, हताश, सत्वहीन बनकर सिर्फ सफलता की ऊंचाइयों के सपने देखते हैं पर अपनी दुर्बलताओं को मिटाकर नयी जीवनशैली की शुरूआत का संकल्प नहीं स्वीकारते। दशहरा का उत्सव धर्म की रक्षा, शक्ति का प्रदर्शन और शक्ति का समन्वय का प्रतीक है। इसके अलावा दशहरा नकारात्मक शक्तियों के ऊपर सकारात्मक शक्तियों के जीत का प्रतीक है।

दिल्ली सरकार के नाक के नीचे राजधानी बन गया कार्टल वाले ड्रग्स का हब!

अशोक भाटिया

दिल्ली पुलिस की स्पेशल ने 2 अक्टूबर को साउथ दिल्ली में रेड डालकर 500 किलोग्राम से अधिक कोकीन बरामद की थी, जिसकी कीमत करीब 5600 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसे राष्ट्रीय राजधानी में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं का भंडाफोड़ कहा जा रहा है। इस मामले में स्पेशल सेल ने 5वें आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस स्पेशल सेल के अधिकारियों के अनुसार इससे पहले दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर से 5,000 करोड़ रुपये मूल्य के 562 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए थे। बताया जा रहा है कि इस ड्रग्स का संबंध उसी सिडिकेंट से है। पुलिस ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया ने लंदन से 2 लोग भेजे थे। पहला जिमी नाम का शख्स था, जो 5600 करोड़ की ड्रग्स ठिकाने लगाने आया था। उसने तुषार से 17 सितम्बर को डिलीवरी ली थी। तुषार लंदन फरार है। वहीं, एक दूसरा शख्स भी था जो आज पकड़ी गई 2000 करोड़ की कोकीन को ठिकाने लगाने आया था। वह लंदन फरार हो गया है। अब तक कुल 7 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है।पुलिस के अनुसार दूसरे शख्स ने 16 सितम्बर को तुषार और सैफी नाम के शख्स ड्रग्स की डिलीवरी ली थी। इस शख्स ने तिलक नगर से एक दुकान किराए पर ली थी। पुलिस ने उसके गाड़ी का जीपीएस लेग चेक किया गया। इसी के जरिए पुलिस रमेश नगर के गोदाम तक पहुंची। यहां से 200 किलो कोकीन मिली। ये शख्स वहां से आगे गया एक होटल में रुका। लेकिन, वह कल ही लंदन फरार हो गया। सैफी को दिल्ली पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस के अनुसार, कोकीन की इस बड़ी खेप के पीछे एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का हाथ है। पुलिस को जितेन्द्र पाल सिंह के भागने की कोशिश के बारे में पता चला था। वह पिछले 17 सालों से ब्रिटेन में स्थायी निवासी के तौर पर रह रहा है। उसके खिलाफ पहले ही एलओसी या लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। अधिकारियों का मानना है कि यह विशेष ड्रग गिरोह भारत में दिल्ली और मुंबई से संचालित होता है और इसका दुबई से भी संबंध हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा संदिग्धों से पूछताछ के दौरान एक भारतीय नागरिक वीरेंद्र बसोया का नाम सामने आया है। अब पश्चिम एशियाई देश में रहता है। स्मगलिंग करके दिल्ली लाए गए ड्रग्स का इस्तेमाल हाई-प्रोफाइल पार्टियों में किया जाता है।

राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में मादक पदार्थ की बरामदगी पिछले रविवार को दिल्ली के तिलक नगर इलाके में दो अफगान नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद हुई थी। जिनके पास से 400 ग्राम हेरोइन और 160 ग्राम कोकीन बरामद की गई थी। वह संघीय गणराज्य लाइबेरिया का नागरिक था, जो दुबई से दिल्ली आया था। उसे एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया था।दिल्ली पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में पता लगा है कि अलग-अलग देशों से होते हुए यह कोकीन हिंदुस्तान पहुंची। फिर यह अलग-अलग प्रदेशों से होती हुई दिल्ली के महिपालपुर के गोदाम तक पहुंची। और फिर यहां से आगे एक सप्लाई चैन बनाई गई थी। उसी सप्लाई चैन का एक हिस्सा था मुंबई के कुर्ला का रहने वाला भारत, जो डेढ़ सौ करोड़ की 15 किलो कोकीन खरीदने दिल्ली आया था।

सोचने वाली बात यह है कि यदि यह ड्रग देश के आम लोगों तक , खासकर युवा तक पहुचती तो ड्रग का उपयोग करने वालों का हाल क्या होता ?अफीम और खासकर हेरोइन की लत बहुत जल्दी लगती है। एक बार जिसे यह लत लग जाती है, उसके लिए उससे पीछा छुड़ाना मुश्किल हो जाता है। ज्यादातर मामलों में हेरोइन के लती हमेशा के लिए बर्बाद हो जाते हैं। इसी कारण इसे युवा पीढ़ी को तबाह करने वाले नशे के तौर पर जाना जाता है। मुश्किल यह है कि नशीले पदार्थों का काला कारोबार बढ़ता चला जा रहा है। गरीब देश हों या फिर विकासशील अथवा विकसित देश, कोई भी नशीले पदार्थों की तस्करी से अछूता नहीं है। भारत किस तरह नशीले पदार्थों के तस्करों के निशाने पर है बावजूद इसके ऐसा लगता है कि किसी को इस बात की चिंता नहीं कि ड्रग्स हमारी युवा पीढ़ी को खोखला करता जा रहा है, जिसके भयंकर परिणाम समाज को भुगतने ही होंगे। जितनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स पकड़े गए हैं, उससे साफ है कि देश के बेटे-बेटियों को नशे की लत का आदी बनाया जा रहा है। ड्रग्स केस में हाईप्रोफाइल लोगों के नाम आते रहे हैं। ड्रग्स लेना आम आदमी के बस की बात नहीं, जिनके पास अकूल धन है उन्होंने अपनी अय्याशी के लिए रेव पार्टियो को ईजाद कर लिया है। इस गम्भीर मसले पर समाज का मानसिक दिवालियापन नजर आ रहा है।

देश में ड्रग्स की समस्या बहुत गम्भीर हो चुकी है। भारत में हर साल दो से चार टन चरस और कम से कम 300 टन गांजा बरामद किया जाता है। इसके अलावा कोकीन, हेरोइन भी भारी मात्रा में पकड़ी जाती है। सामाजिक न्याय मंत्रालय की 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक देश में नशे के लिए शराब के बाद सबसे ज्यादा सेवन भांग, गांजा, चरस और अफीम का किया जाता है। हर वर्ष भारत में ड्रग्स के व्यापार का आकार काफी बढ़ चुका है। ड्रग्स एक सामाजिक समस्या ही नहीं बल्कि चिकित्सकीय एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है। इससे परिवार टूटते हैं और समाज संक्रमित होता है। यह ऐसा दलदल है जिससे परिवार, समाज और राष्ट्र जर्जर होता है। हमारी चिंता यह होनी चाहिए कि ड्रग्स फ्री इंडिया कैसे बने। इस समस्या से सिर्फ कानून बनाकर नहीं निपटा जा सकता है बल्कि इस पर नियंत्रण के लिए पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। कोई सेलिब्रिटी हो या आम आदमी, अभिभावकों को अपने बच्चों को भटकाव और भ्रम से बचाने के लिए उन्हें ध्येयवादी बनाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों को केवल पैसा नहीं बल्कि भावनात्मक संरक्षण भी प्रदान करना होगा। यह ठीक है कि पिछले वर्षों मुम्बई पोत ड्रग्स केस हो जाने के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां चेत गई हैं, लेकिन यह मानना सही नहीं होगा कि इससे नशीले पदार्थों की तस्करी थम जाएगी। हो सकता है कि नशे की खेप भारत भेजने वाला गिरोह सावधान हो गया हो, लेकिन ऐसे कई गिरोह और होंगे। यह भी तय है कि उन्हें तालिबान नेताओं के साथ पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों का भी समर्थन हासिल होगा। वैसे तो पूरे विश्व में नशे के कारोबार को तोड़ने के लिए नारकोटिक्स एजेंसियां हैं, लेकिन उनके तमाम प्रयासों के बावजूद नशीले पदार्थों का काला कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर देश के नेता इस बात को मानते आए हैं कि इस काले कारोबार की कमर तोड़ी जानी चाहिए, लेकिन उनके प्रयासों के बाद भी ऐसा नहीं हो पा रहा है। पिछले दिनों न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक हुई । इसमें शामिल होने के अलावा भारतीय प्रधानमंत्री ने दुनिया के कई देशों के शासनाध्यक्षों से मुलाकात की। इन मुलाकात में तालिबान के कट्टरपंथ पर भी चर्चा हुई, लेकिन बेहतर होगा कि अफगानिस्तान में आतंक के उभार के साथ वहां से होने वाले नशे के कारोबार पर भी बात होती और इस दौरान इस पर ध्यान दिया गया कि तालिबान अपने वित्त पोषण के लिए अफीम की खेती को बढ़ावा न देने पाए। ऐसे किसी उपाय से ही तालिबान विश्व समुदाय की बात सुनेगा ऐसा लगता नहीं हैं । यदि विश्व समुदाय को तालिबान को सही राह पर लाना है तो उसके लिए यह आवश्यक है कि वह अफीम की खेती पर तालिबान की निर्भरता खत्म करने के लिए सक्रिय हो। जब वह आर्थिक रूप से कमजोर होगा तभी अपने कट्टर सोच बदलने के लिए विवश होगा।

हरियाणा व घाटी के नतीजे महाराष्ट्र और झारखंड में सिर चढ़कर बोलेंगे

-सुरेश गांधी

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों की स्थिति स्पष्ट हो चुकी है. हरियाणा में बीजेपी की हैट्रिक लगी है, जबकि घाटी में कांग्रेस गठबंधन सरकार बनाते दिख रही है। दोनों ही राज्यों में 90-90 सीटों के लिए वोटिंग हुई थी। जम्मू-कश्मीर में तीन फेज जबकि हरियाणा में एक फेज में वोटिंग हुई थी। हरियाणा में सत्तारूढ़ बीजेपी पहले भी यह भरोसा जता चुकी थी कि वह लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता बरकरार रखने में कामयाब होगी। या यूं कहे हरियाणा में बीजेपी ने हैट्रिक लगाकर इतिहास रचा है. 52 साल बाद वहां कोई सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में पहुंची है. बीजेपी को 49 सीटें, जबकि कांग्रेस को 34 सीटे मिली है. परिणामों से साफ हो चला है कि हरियाणा के शहरी वोटरों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया है. शहरी हरियाणा में बीजेपी को 30 में से 21 सीटें मिली हैं। जबकि कांग्रेस को सिर्फ. 5 सीटों पर संतोष करना पडा है। गांवों में बराबरी की टक्कर दिखी है. यह अलग बात है कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। एनसी-कांग्रेस को 52 सीटों मिली है जबकि बीजेपी 27 सीटें। बता दें, हरियाणा में जाटों ने भी बीजेपी का साथ दिया है. 2019 में बीजेपी 30 फीसदी जाट सीट जीती और 2024 में 51 फीसदी जाट सीटों पर बढ़त मिली है. उधर, जम्मू-कश्मीर में भी बीजेपी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 27 सीटे हथियाने में सफल रही है। महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी को सिर्फ 2 सीटों ही मिली है.

फिरहाल, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के परिणाम घोषित होने के बाद देशभर के लोगों की निगाह अब महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों की घोषणा होने पर लग गई है। सूत्रों का कहना है कि अगले सप्ताह तक चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है। इसी के साथ ही 46 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर भी उपचुनाव होने की घोषणा की जा सकती है। वैसे भी झारखंड विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 5 जनवरी 2025 को खत्म होना है। जबकि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है। ऐसे में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 26 नवंबर से पहले कराए जाने हैं, लेकिन झारखंड के लिए थोड़ा वक्त है। लेकिन, जानकारों का कहना है कि दोनों राज्यों के चुनाव लगभग एक साथ ही कराए जाएंगे। इसका एक और बड़ा कारण दिसंबर-जनवरी में अधिक ठंड का पड़ना भी रहेगा। जहां तक हरियाणा के नतीजों का सवाल है तो वहां भाजपा के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी, किसानों का गुस्सा, केंद्र सरकार की उपेक्षा, पूर्व सीएम मनोहरलाल खट्टर की अलोकप्रियता, खिलाड़ियों के खिलाफ अन्याय पर रोष व अग्निवीर योजना पर आक्रोश जैसे कांग्रेस के मुद्दे हवा हो गए। जबकि कांग्रेस इन्हीं मुद्दों को लेकर अपने जीत के प्रति आश्वस्त थी। कांग्रेस को उम्मीद थी कि जाट बीजेपी के खिलाफ एकजुट होकर उन्हें वोट करेंगे. जाटों की राज्य में आबादी लगभग 25 फीसदी है. लगभग 40 सीटों पर उनका सीधा प्रभाव है. कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का गुस्सा, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ हुए अन्याय पर रोष, पिछली दो सरकारों में जाटों की उपेक्षा का दंश जैसी वजहों से जाट भाजपा के खिलाफ थे. उनके इस गुस्से को कांग्रेस अपने पक्ष में मानकर चल रही थी. इन सभी बातों से कांग्रेस को लगा कि जाटों का एकमुश्त वोट उन्हें ही जाने वाला है. लेकिन वे यह नहीं समझ पाए कि भाजपा ने पिछली दो सरकारें इन्हीं जाटों के खिलाफ गैर जाट जातियों को एकजुट करके बनाई थीं. इन जातियों में बनिया-ब्राह्मण-राजपूत प्रमुख तौर पर हैं. ओबीसी जातियों को सीएम सैनी ने इस बार भी जाटों के खिलाफ गोलबंद किया. जैसे ही जाटों की एकजुटता के बारे में गैर जाट जातियों को अहसास हुआ वे काउंटर पोलराइज हो गईं. साथ ही इस बार भी जाट वोट बांटने के लिए जेजेपी, इनेलो जैसी पार्टियां भी मैदान में थीं. चूंकि राज्य में दलित जातियां भी लगभग 19 फीसदी हैं. इनके लिए 17 सीटें रिजर्व हैं. पिछली बार भाजपा ने 4 सीटों पर ही जीत हासिल की थी जबकि इस बार पार्टी 7 सीटें जीतने में सफल हो गई. ऐसा भी माना जा सकता है कि इनेलो, जेजेपी और बसपा, आजाद समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों के गठबंधन ने भी दलितों के वोट काटे. पिछले लोकसभा इलेक्शन में राज्य में कांग्रेस 5 लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब हो गई थी जिसके पीछे दलित वोटों का बड़ा हाथ माना गया था. इस बार ऐसा लगता है कि दलित, ओबीसी, सवर्ण गठजोड़ के माध्यम से भाजपा पिछली बार छिटके वोटबैंक की साधने में कुछ हद तक सफल रही.

आतंक और डर के आगे जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र की जीत हई है। जबकि हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक का असर महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में सिर चढ़कर बोलेगा। हालांकि कांग्रेस को भी जम्मू-कश्मीर की जीत से बूस्टअप मिलने की उम्मीद रहेगी. यह अलग बात है कि बीजेपी भले ही जम्मू कश्मीर में सरकार नहीं बना पा रही है, पर एक राष्ट्र के निर्माण के रूप में कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव करवाकर दुनिया भर को संदेश है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने प्रचंड बहुमत से भारतीय लोकतंत्र पर मुहर लगाई है. कश्मीर घाटी के लोगों ने विकास, शांति, टूरिज्म की वापसी और समृद्धि की तुलना में मजहब को चुना. उनका लोकतांत्रिक अधिकार है. पर कश्मीर भारत का मुकुट है. वहां हार जीत से परे, भारत की और संविधान की जीत हुई है। कश्मीर की तरक्क़ी होगी और वह दिन भी आएगा जब लोग मजहब से उठकर वोट करेंगे। खास यह है कि योगी ने भिवानी, हिसार, नारनौंद, पंचकुला, फरीदाबाद, हांसी, जींद, सोनीपत, बल्लभगढ़, पृथला, बड़खल, अटेली, रादौर, जगाधरी, यमुनानगर, साढोरा, नरवाना, राय विधानसभा, कलायत, बवानीखेड़ा, असंध आदि सीटों पर प्रचार किया था। इनमें 80 फीसदी से अधिक सीटों पर बीजेपी की जीत हुई है

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन बहुमत मिला है। बीजेपी 27 सीटे ही जीत सकी। महबूबा मुफ्ती हवा हो गयी। निर्दलीय और छोटी पार्टियों को 9 सीटे हाथ लगी है। जम्मू पहले की तरह बीजेपी को बढ़त मिली है. जम्मू रीजन में जब सीटों की सख्या कम होती थी तब भी बीजेपी लगातार कई चुनावों से 25 से 26 सीटों को जीतती रही है. 2014 और 2007 में जब सीटें बढ़ाकर 43 सीटें कर दी गई तो भी बीजेपी 27 सीटे जीती है। जबकि, कश्मीर घाटी में बीजेपी एक भी सीट पर आगे नहीं है. मतलब साफ है कि बीजेपी अनुच्छेद 370 को जम्मू कश्मीर से हटाकर भी जहां थी वही हैं. बीजेपी के लिए यह चिंता का विषय हो सकता है पर एक देश और राष्ट्र के रूप में यह खुशी की वजह है. मोदी सरकार ने वादा किया था कि वह जम्मू-कश्मीर को अलग-थलग पड़ने नहीं दिया जाएगा. सरकार बहुत पहले से कहती रही है कि जम्मू कश्मीर में चुनाव जल्द ही होंगे. इस बीच सुप्रीम कोर्ट का आदेश आ गया कि जम्मू कश्मीर में सरकार अतिशीघ्र चुनाव करवाए. सरकार चाहती तो कानून व्यवस्था का हवाला देकर चुनाव में अड़ंगा लगा सकती थी. पर सरकार ने न चाहते हुए भी अपना वादा पूरा किया. सरकार जानती थी कि चुनाव जीतने के उनकी पार्टी ने उचित तैयारी अभी नहीं की है। फिर भी कश्मीर मे चुनाव संपन्न करवाया गया. बीजेपी भले ही जम्मू कश्मीर में सरकार नहीं बना पा रही है पर एक राष्ट.के निर्माण के रूप में कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव करवाना दुनिया भर को संदेश है कि भारत ने कश्मीर पर अवैध कब्जा नहीं किया हुआ है. कश्मीर में शांतिपूर्ण चुनाव होते हैं और सभी को अपना मनपसंद जनप्रतिनिधि चुनने का अधिकार है.

बेशक, जम्मू कश्मीर में पिछले कई दशकों से जो चुनाव हो रहे हैं वो आतंक के साये में होते रहे हैं. तमाम आतंकी गुटों की दहशत के साये में चुनाव सही मायने में चुनाव नहीं थे. क्योंकि बहुत से लोग वोट नहीं करते और बहुत से लोग चुनाव नहीं लड़ते थे. कई बार वोटिंग परसेंटेज इतना कम होता था कि वो पूरी आबादी का 10 परसेंट भी मतदान नहीं करते थे। बीजेपी के ह्लनया कश्मीरह्न में सुरक्षा पर ज्यादा जोर दिया गया. सरकार ने आतंकवाद, अलगाववाद और.पत्थरबाजी के खिलाफ जो कार्रवाई की, उसका लोगों ने स्वागत किया. हालांकि बीजेपी को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी. क्योंकि बहुत से लोगों को ऐसा भी महसूस किया गया कि अभिव्यक्ति की आजादी को दबाया जा रहा है. बीजेपी इस आम धारणा को बदलने में कामयाब नहीं हो सकी कि असहमति को दबाने के लिए डराया जा रहा है. आतंकी गुटों को भी लगा कि अगर निष्पक्ष चुनाव हो रहें हैं तो उसका लाभ उठाना चाहिए. बीजेपी पर प्रतिबंधित जमाते इस्लामी को कश्मीर में बढ़ावा देने, टेरर फंडिंग के आरोपित सांसद इंजीनियर रशीद की पर्दे के पीछे मदद करने का भी आरोप लगा पर चुनाव में हर पक्ष को अपनी बात कहने का मौका मिला. प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी जो चुनाव बहिष्कार का हिस्सा रही है, वह अब लोकतंत्र का गुणगान करती देखी गई.तमाम प्रतिबंधित संगठनो के ऐसे लोग जो पहले आतंकवादी घटनाओं में लिप्त रहे हैं उन्हें भी लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लेने का मौका मिला. सबसे बड़ी बात ये रही कि जिन लोगों को भारतीय संविधान में विश्वास नहीं था कम से कम इस चुनाव के बहाने उन्होंने भारतीय संविधान को स्वीकार किया. चुनावी फायदे के लिए बीजेपी ने अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी और सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन कर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का खास दबदबा कम करने की कोशिश की. हालांकि इन पार्टियों के साथ गठबंधन बीजेपी के लिए कुछ खास फायदेमंद साबित नहीं रहा. अनुच्छेद 3.70 की समाप्त कर केंद्र ने जम्मू कश्मीर के चुनावों को पहले से अधिक लोकतांत्रिक बना दिया. पहली बार जम्मू कश्मीर में अनुसूचित जनजातियों के लिए नौ सीटें आरक्षित की गईं हैं, जबकि अनुसूचित जातियों के लिए सात सीटें आरक्षित की गईं हैं. यही नहीं जम्मू कश्मीर के चुनावों में वाल्मीकि, गुरखा, भारत पाक विभाजन के समय पश्चिमी पाकिस्तान से आकर बसे नागरिकों को वोट डालने का अधिकार नहीं था. कोई भी लोकतंत्र अगर अपने सभी नागरिकों को वोटिग राइट नहीं देता है तो वह अधूरा ही कहलाएगा. यहां जिक्र करना जरुरी है कि राजीव गांधी की सरकार ने 1987 में कश्मीरी मुस्लिम आबादी को चुनाव में वोट देने से वंचित कर दिया था. कश्मीर में संघर्ष के पीछे के कारकों में से एक बहुत बड़ा कारण था. 1987 में चुनावों में की गई जबरदस्त हेराफेरी, उन कई कारकों में से एक थी, जिनमें पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा की गई हेराफेरी भी शामिल थी, जिसके कारण जम्मू-कश्मीर में व्यापक आक्रोश पैदा हुआ और परिणामस्वरूप 1989 तक घाटी में उग्रवाद और आतंकवाद का उदय हुआ. दरअसल जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल जगमोहन ने 1986 में गुलाम मोहम्मद शाह के नेतृत्व वाली अवामी नेशकॉन्फ्रेंस सरकार को बर्खास्त कर दिया, जिससे घाटी में गुस्सा भड़क उठा. जगमोहन की कार्रवाई को कश्मीर की मुस्लिम बहुल पहचान को कमजोर करने केरूप में देखा गया. इन चुनावों में इतने बड़े पैमाने पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने धांधली करवाई थी कि सज्जाद लोन के पिता अब्दुल गनी लोन ने दुखी होकर कहा इससे भारत सरकार के खिलाफ लोगों की भावनाएं और गहरी होंगी. अगर लोगों को वोट डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी, तो उनका जहर राष्ट्र-विरोधी भावनाओं की अभिव्य.क्ति के अलावा और कहां जाएगा? घाटी के विभिन्न भागों से जिला आयुक्तों के कार्यालयों में चुनावी धांधली की खबरें आईं. घाटी के विभिन्न भागों में पार्टी मुख्यालयों और जिला आयुक्तों के कार्यालयों में चुनावी हेराफेरी और बलपूर्वक तरीकों की खबरें आती रहीं. पट्टन में मतदान केंद्रों से नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए पूर्व-मुद्रित सम्पूर्ण मतपत्र पुस्तिकाएं बरामद की गईं, जिनमें से सभी मतपत्रों के काउन्टरफॉयल मौजूद थे. रिपोर्ट के अनुसार, इसी प्रकार की पूर्व-स्टाम्प लगी हुई पुस्तकें एमयूएफ एजेंटों को ईदगाह, हंदवाड़ा और चैदुरा में मतदान अधिकारियों से मिलीं। एमयूएफ उम्मीदवारों ने खान साहिब और हजरतबल में बूथ कैप्चरिंग का भी आरोप लगाया था, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के कार्यकताओं के गिरोह मेटाडोर वैन में सवार होकर मतदान केंद्रों में घुस गए और पुलिस असहाय होकर देखती रही. हालांकि, सरकारी ने आरोपों और शिकायतों पर आंखें मूंद लीं और इसके बजाय विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई शुरू कर दी. परिणामस्वरूप, चुनावों में फारूक अब्दुल्ला की जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस और प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के गठबंधन को भारी जीत मिली. कांग्रेस ने जहां सभी 26 सीटों पर जीत हासिल की, वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस को 46 सीटों पर चुनाव लड़कर 40 सीटों पर विजयी घोषित किया गया. फिलहाल केंद्र सरकार ने भारत सरकार के उस पाप को धुल दिया है. जिसके दूरगामी परिणाम होना निश्चित है.

भाजपा कहती है ह्यमहाराष्ट्र में हरियाणा जैसा होगाह्न, मगर होगा नहीं

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत से भाजपा में मोदी की जय जयकार शुरू हो गई है, लेकिन जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य में प्रधानमंत्री मोदी भाजपा को जीत नहीं दिला पाए। ऐसे में भाजपा का पाखंड उजागर हो गया है। हरियाणा में जीत की जलेबियां खाते-खाते अब जम्मू-कश्मीर में मिट्टी खाने की नौबत क्यों आई? इसका विश्लेषण भाजपा के अंध पंडितों को करने की जरूरत है। हरियाणा के नतीजों का असर महाराष्ट्र पर पड़ेगा। भाजपा और उसका शिंदे गुट दावा करने लगा है कि हरियाणा जीत गए, अब महाराष्ट्र भी जीतेंगे ही। हरियाणा और महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति की तुलना करना पूरी तरह से गलत है। महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य का गणित हरियाणा के गणित से अलग है। हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा है। महाराष्ट्र 288 विधायकों और 48 सांसदों का राज्य है। महाराष्ट्र का अपना मन और मत है। यह सच है कि भाजपा ने हरियाणा में चुनाव जीता, लेकिन क्या उन्होंने यह जीत सत्य मार्ग से हासिल की? यह अब एक चर्चा का विषय है। जम्मू-कश्मीर की हार पर चर्चा नहीं हो रही है, लेकिन हरियाणा की जीत के ढोल बजाए जा रहे हैं। अब फड़णवीस आदि राग अलाप रहे हैं कि महाराष्ट्र का हाल भी हरियाणा जैसा होगा। तो क्या बात है फड़णवीस, अपनी उस हरियाणा की जीत को फिलहाल किनारे रख दीजिए। आप और हम ऐसा क्यों नहीं कहें कि महाराष्ट्र में भी जम्मू-कश्मीर जैसा ही नतीजा आएगा? जम्मू- कश्मीर में इंडिया गठबंधन की जीत हुई। उसी तरह महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी की ही जीत होगी। हरियाणा में जाट बनाम गैर-जाट मुकाबला हुआ। महाराष्ट्र में भाजपा इसी जातीय गणित को पेश कर चुनाव लड ?ा चाहती है। राज्य में मराठा, धनगर, ओ.बी.सी. आरक्षण की त्रिकोणीय लड़ाई चल रही है और वे अपने-अपने तरीके से इस आंदोलन की धार को आगे बढ़ा रहे हैं। और फिर चुनाव के मद्देनजर सरकार की तिजोरी (भले ही वह खाली हो) किसके लिए खाली हो जाएगी इसकी कोई थाह नहीं। लेकिन इतनी जद्दोजहद के बावजूद यह तय है कि महाराष्ट्र की जनता मौजूदा शासकों को उनकी जगह दिखा देगी क्योंकि महाराष्ट्र की जनता में मोदी-शाह के खिलाफ बेहद गुस्सा है। खुद फड़णवीस की साख काफी गिर गई है। मुख्यमंत्री शिंदे दिल्ली में अपने पातशाहों को सीधे थैलियां पहुंचाते हैं और ये थैलियां फड़णवीस और अन्य लोगों की तुलना में अधिक हैं। मुंबई-महाराष्ट्र को लूट कर दिल्ली के पातशाहों पर वसूलियां उंडेली जा रही हैं। जिससे मराठी जनता का नुकसान हो रहा है। यह सब मराठी जनता देख रही है। महाराष्ट्र में गद्दारों का शासन है और मोदी-शाह ने महाराष्ट्र की छाती पर इस अवैध, बेईमान सरकार को बिठाया है। यह राज्य की जनता को स्वीकार्य नहीं है। इस गुस्से का प्रतिबिंब लोकसभा चुनाव में दिखा। हरियाणा के नतीजों की तुलना महाराष्ट्र से करने वालों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। फिर महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार जैसे जनोन्मुख नेता और उनकी फौजें जागरूक हैं। हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस के सारे सूत्र एक व्यक्ति के हाथ में थे। आज महाराष्ट्र में ऐसी तस्वीर देखने को नहीं मिलती। इसलिए यह कहा जाना चाहिए कि हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी ऐसा होगा, यह भाजपा और उस शिंदे का सपना है। महाराष्ट्र में आघाड़ी की राजनीति है और भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। कांग्रेस की ओर से शिकायत की गई कि हरियाणा में ई.वी.एम. मशीन घोटाला हुआ है। हमें कितनी बार कहना होगा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा है? हरियाणा में जब वोटों की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस 72 सीटों पर आगे चल रही थी। यानी यह जनमत का जनादेश था। लेकिन बाद में यह जनादेश बदल गया। राजस्थान और मध्य प्रदेश चुनावों में भी शुरूआत में जनमत भाजपा विरोधी था। कांग्रेस के रेस में आते ही नतीजे पलट गए। जनादेश इतनी जल्दी वैसे बदल सकते हैं? महाराष्ट्र में भाजपा और उसके शिंदे का फॉमूर्ला ज्यादा से ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवार उतारकर जातिगत वोटों को बांटने का लगता है। भाजपा ने हरियाणा में निर्दलीयों का ये दांव जरूर खेला है। महाराष्ट्र में भी मत विभाजन का खेला कर और तोड़-फोड़ व फूट डालकर चुनाव जीतने की साजिश है। इसीलिए फड़णवीस जैसे लोग कहते हैं कि महाराष्ट्र में भी हरियाणा जैसा ही होगा। लेकिन मराठी आदमी दिल से कमजोर नहीं है। वह विचारों से पक्का है। जो लोग हरियाणा के नतीजे से निराश हैं, उन्हें जम्मू-कश्मीर की जीत की ओर आशा भरी निगाहों से देखना चाहिए। जो लोग दावा करते हैं कि हम हरियाणा की तरह जीतेंगे उन्हें जम्मू-कश्मीर में मोदी-शाह की हार को भी उसी सकारात्मक दृष्टि से देखना चाहिए। चिंता की कोई वजह नहीं है !-संजय राऊत

कन्याओं के सम्मान और उनकी सुरक्षा के प्रति संकल्पित बनें: कृष्णा राहुल तिवारी

भायंदर। नवरात्रि के अंतिम दिन कन्याओं को भोजन कराने तथा उनका पूजन करने का विशेष धार्मिक महत्व है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन की सहसचिव श्रीमती कृष्णा राहुल तिवारी द्वारा विगत वर्षों की तरह आज भी भायंदर पूर्व के नवघर रोड स्थित मुख्यालय में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में नौ कन्याओं को भोजन करने के बाद उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया गया। श्रीमती तिवारी ने कहा कि कन्या देवी की रूप होती हैं। उनकी प्रसन्नता और आशीर्वाद से ही सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। हमें बिना किसी भेदभाव के कन्याओं के सम्मान और उनकी सुरक्षा के प्रति संकल्पित होना चाहिए।

राजेश दुबे का किया गया स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र रामलीला सेवा समिति मलाड (ईस्ट)इंदिरा नगर द्वारा स्वर्गीय पंडित इंद्रदेव मिश्रा मैदान आयोजित रामलीला कार्यक्रम में विरेन्द्र मिश्रा, राजकुमार मिश्रा तथा समिति के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त उत्तर भारतीय समाज (एनजीओ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश दुबे का अंगवस्त्र व रुद्रांक्ष की माला पहना कर स्वागत किया गया।

उत्सव की भावना को दर्शाती है आल्टामाउंट रोड की अम्बे माता

मुंबई। इस वर्ष आल्टामाउंट रोड जीवंत और हलचल भरा नजर आ रहा है। जहां देवी दुर्गा भव्य सजावट में खूबसूरती से सजी हुई हैं, जो भक्ति और उत्सव की भावना को दशार्ती है। युवा स्टार समिति ने इस पवित्र अवसर को मनाने की पहल की है। ताकि समुदाय और सहानुभूति की भावना उजागर हो सके। मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी के उदार समर्थन और आशीर्वाद के साथ, इस उत्सव में जरूरतमंदों को भोजन कराने का एक विशेष प्रयास किया गया है। दुर्गा पूजा के सभी नौ दिनों में, समिति प्रतिदिन दो बार भोजन सेवा देने का वचन देती है, जो इस त्योहार की दान और साझा करने की भावना को प्रदर्शित करता है। यह पहल न केवल जरूरतमंदों को समर्थन प्रदान करती है, बल्कि आल्टामाउंट रोड के निवासियों के बीच एकता का अहसास भी कराती है। यह सुंदर पंडाल भारतीय व्यापारिक ँल्लंशी मुकेश अंबानी के प्रसिद्ध घर एंटीलिया के बगल में स्थित है। यह दक्षिण मुंबई के सबसे अधिक देखे जाने वाले पंडालों में से एक है। जब समुदाय देवी का सम्मान करने के लिए इकट्ठा होता है, तो सजावट की भव्यता दृश्य आनंद का एक प्रमुख स्थल बन जाती है। जबकि कम भाग्यशाली लोगों को भोजन कराना उत्सवों को एक गहरा अर्थ प्रदान करता है।

मुंबई में रामलीला कार्यक्रम की धूम

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गुरुवार को नवरात्रि के शुभ अवसर पर जगह-जगह पर मंडळ, ट्रस्ट द्वारा रामलीला का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल रामलीला महोत्सव समिति 61 वे वर्ष पर राम लीला कार्यक्रम माणिकलाल मैदान घाटकोपर (पश्चिम) मुंबई आयोजित कर रहा है। जहां पर आए हुए अतिथियों का अतिथियों को जय श्री राम नामी वस्त्र देकर सत्कार किया गया। इस मौके पर सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), ओमप्रकाश प्रजापति उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार सम्पादक, हरिकेश जैसवाल समाचार 9 न्यूज ब्यूरो चीफ, समाज सेवी संजीव त्रिपाठी समेत अन्य अतिथि भी मौजुद रहे।श्री राम जी की कथा, हनुमान चालीसा का पाठ और आरती के साथ राम लीला समाप्त की गई।

विधायक आयलानी द्वारा कल्याण बदलापुर सड़क कांक्रीटीकरण का किया गया भूमिपूजन

उल्हासनगर/कल्याण (उत्तरशक्ति)। शहर में तेज गति के साथ विकास कार्य जारी हैं जिसके माध्यम से शहर को सुंदर व नागरिकों के अनुरूप बनाने की निरंतर कोशिश की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को शहर के विधायक कुमार आयलानी के द्वारा कल्याण बदलापुर रोड़ पर शांतिनगर से साईं बाबा मंदिर तक सड़क के किनारे अंडर ग्राउंड ड्रेनेज तथा सड़क पर 8 इंच की कंक्रीट की लेयर लगाने के काम का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक कुमार आयलानी के अलावा मनपा आयुक्त विकास ढाकने, सार्वजनिक निर्माण विभाग के उपविभागीय

अभियंता प्रशांत मानकर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, विधानसभा चुनाव प्रमुख जमनु पुरस्वानी, डॉ. नाथानी, उल्हासनगर शॉपकीपर्स एशोसिएशन के अध्यक्ष दीपक छतलानी समेत तमाम लोग मौजूद थे। विधायक कुमार आयलानी ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण विकास परियोजना है जिसके माध्यम से शहर के नागरिकों के साथ ही इस सड़क का प्रयोग करने वाले तमाम लोगों को यातायात में सुविधा मिल सकेगी तथा अच्छी सड़क बन जाने के कारण यात्रा के समय मे भी कमी आएगी साथ ही अंडर ग्राउंड ड्रेनेज का भी निर्माण किया जाएगा। इस कार्य के लिए 68 करोड़ रुपए की निधि स्वीकृत हुई है और सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा यह कार्य किया जाएगा इसको बनाने के लिए अधिकतम 2 वर्ष का समय मंजूर है लेकिन इसे एक साल के भीतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। उपविभागीय अभियंता प्रशांत मानकर ने बताया कि ड्राई कंक्रीट, लोहे की जाली के ऊपर कांक्रीटीकरण किया जाएगा और 8 इंच की परत लगाई जाएगी साथ ही ड्रेनेज का भी काम किया जाएगा। सड़क व ड्रेनेज के निर्माण से जलभराव नही होगा जिससे सड़क हमेशा सुचारू रहेगी।

प्रो. अवनीश श्रीवास्तव को मिला इटली विश्वविद्यालय से सम्मान

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गत 6 अक्टूबर को जयपुर में लता फाउंडेशन और कुनेओ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पीएचडी डिग्री दीक्षांत समारोह में सीए के छात्रों को टैक्स और अकाउंट पढ़ाने वाले प्रोफेसर और उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के टैक्स सलाहकार अवनीश श्रीवास्तव को उनके कार्य को देखते हुए उन्हें डॉक्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया था। जहां डॉ. सुरेश चंद्र पाध्या कुलपति पूर्णिमा विश्वविद्यालय जयपुर, डॉ जेना चुंग सलाहकार कुनेओ विश्वविद्यालय, डॉ. मेहरान लाहूटी अकादमिक विद्वान ईरान, मिस दीपिका जोशी जॉर्जिया, मोहम्मद कैस रेजवानी अफगानिस्तान, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक राम सिंह चौहान जैसे सम्मानित लोग मौजुद रहे।

शिक्षा से ही समाज व देश का विकास होगा: प्रो. रामजन्म प्रजापति

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गत रविवार को बिंद समाज विकास संघ के 7वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मौजूद प्रजापति समाज मुंबई के अध्यक्ष प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति ने कहा कि समाज का विकास शिक्षा पर आधारित है। हम अपने बच्चों को जितनी अच्छी शिक्षा देकर आगे बढ़ाएंगे उतना ही परिवार के साथ-साथ समाज का विकास होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसा शस्त्र है जो किसी भी व्यक्ति से कोई छीन नहीं सकता। वह आजीवन शिक्षा रूपी शस्त्र का उपयोग अपने जीवन में कर सकता है। बगैर शिक्षा का समाज का विकास संभव नहीं है। इसलिए सभी माता-पिता अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी

शिक्षा देने का प्रयास करें। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपनी सुख सुविधाओं में कटौती करके बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हमारे बच्चे देश के साथ-साथ समाज के भविष्य हैं। समय के अनुसार हमें बच्चों की शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अनुसार बच्चों को इस शिक्षा पद्धति से आगे बढ़ना पड़ेगा, तभी बच्चे आगे चलकर परिवार के साथ-साथ अपने समाज व देश देश को आगे बढ़ाने में सहयोग कर सकेंगे। उक्त कार्यक्रम में बच्चों को प्रेरित करने के लिए उन्हें शिक्षण किट भी वितरित किया गया और जो होनहार बच्चे अच्छे अंक से हाईस्कूल व इंटर मीडिएट में उत्तीर्ण हुए थे उन्हें प्रोत्साहित किया गया। श्री प्रजापति ने कहा कि इस तरह से बच्चों को प्रोत्साहित करने से एक तरफ जहां उनका हौसला बुलंद होगा, वहीं दूसरी तरफ अन्य बच्चे भी देख कर-के अच्छी शिक्षा में आगे कदम बढ़ाएंगे।

सुबह-सुबह लगी आग, दो बच्चों समेत एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

मुंबई। मुंबई से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है। चेंबूर के सिद्धार्थ कॉलोनी में एक घर में आग लगने से 5 लोगों की मौत की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यह जानकारी नगर पालिका की ओर से दी गई है। फिलहाल प्रारंभिक जानकारी मिल रही है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। अन्य लोगों को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस घटना में 7 साल की बच्ची और 10 साल का लड़का शामिल है। बताया जा रहा है कि हादसा सुबह करीब 4:30 से 5:00 बजे के बीच हुआ। मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंच गई है। फिलहाल आग बुझ गई है। मृतकों की पहचान पेरिस गुप्ता, मंजू गुप्ता, अंकिता गुप्ता, प्रेम गुप्ता और नरेंद्र गुप्ता के रूप में हुई है। राजावाड़ी अस्पताल में इलाज के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई है।

महा मुंबई मेट्रो के लिए अब WhatsApp आधारित टिकट बुकिंग सुविधा

मुंबई। पेलोकल फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित WhatsApp आधारित टिकट बुकिंग समाधान से अब महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशंस लिमिटेड के लाइन 2A और लाइन 7 के यात्री आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं। इसके लिए यात्रियों को 86526-35500 नंबर पर हाय मैसेज भेजना होगा। जिसके बाद टिकट बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस पहल से समय की बचत होगी और बुकिंग प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया गया है। इस सुविधा का उद्घाटन मुंबई महा मेट्रो के यात्रियों द्वारा प्रबंध निदेशक श्रीमती रुबल अग्रवाल की उपस्थिति में किया गया। यह सुविधा पेलोकल फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड की टीम के प्रयासों से लागू की गई है, जिसे श्री विवेकानंद त्रिपाठी द्वारा स्थापित किया गया है।

पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन से उद्योग जगत की अपूर्णीय क्षति: रामदास आठवले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उद्योग जगत में भारत का कोहिनूर टाटा समूह के प्रमुख पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन से पूरे देश के औद्योगिक सामाजिक क्षेत्र की बड़ी क्षति हुई है। रतन टाटा एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक सोच थे जिसने देशवासियों को उद्योग के क्षेत्र में प्रेरित किया। दुनिया को जीतने वाले रतन टाटा एक सरल इंसान और उच्च विचारों वाले सम्मानित व्यक्तित्व थे। वह एक परोपकारी व्यक्ति थे। ऐसे शब्दों में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दिवंगत रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। पद्म विभूषण रतन टाटा की उपलब्धियां उद्योग जगत में हिमालय जितनी ऊंची हैं। दुनिया में रतन टाटा ने उद्योग के क्षेत्र में अपने देश का नाम रोशन किया है। वह उद्योग के क्षेत्र में बहुत सफल रहे हैं। उन्होंने अपनी आय का 65 प्रतिशत हिस्सा लगातार देश के गरीब लोगों के कल्याण के लिए दान किया। जीवन भर परोपकार की भावना कायम रखने वाले रतन टाटा वास्तव में गरीबों के मसीहा थे। मुंबई के परेल में टाटा अस्पताल कैंसर रोगियों के लिए एक वरदान बन गया है जो देश भर के गरीब रोगियों को जीवन प्रदान करता है उद्योग क्षेत्र के साथ-साथ देश और समाज के लिए रतन टाटा का योगदान अतुलनीय है।

चेंबूर अयोध्यानगर भरतकुंज सोसायटी की ओर से दीपक शिंदे का स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सहकार सेल के कार्यकारी अध्यक्ष दीपकदादा शिंदे का चेंबूर के वाशिनाका में अयोध्यानगर भरतकुंज सोसायटी की ओर से सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। महाराष्ट्र में राज्य सरकार ने लाडकी बहिन योजना शुरू की है। इसी कड़ी में राज्य के उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजितदादा पवार की ओर से दीपक शिंदे को सहकार सेल में कार्याध्यक्ष का पद देने पर महिलाओं की ओर से सार्वजनिक रूप से अभिनंदन किया। बता दें कि महाराष्ट्र राज्य सहकार सेल का कार्याध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर दीपकदादा शिंदे का चेंबूर में अनेक जगहों पर सार्वजनिक रूप से अभिनंदन किया गया। इस मौके पर महिलाओं को साड़ियां बांटकर अनोखा तोहफा दिया गया। इस मौके पर दीपक शिंदे ने कहा कि राज्य के उपमुख्यमंत्री अजितदादा पवार और महाराष्ट्र सहकार सेल के अध्यक्ष रामदास मोरे ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है। उस जिम्मेदारी को मैं दिन रात जीतोड़ मेहनत करके निभाऊंगा। दीपकदादा शिंदे ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं से समय समय पर अवगत कराया जाएगा।

मां की हत्याकर टुकड़े किए, फिर पकाकर खा गया था बेटा

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को उस बेटे की फांसी को सजा को बरकरार रखा है, जिसने पहले मां की बेरहमी से हत्या की, फिर उसके अंग तवे पर पकाने के लिए निकाले थे। कोर्ट ने कहा कि यह नरभक्षण का मामला है। मौजूदा प्रकरण दुर्लभतम केस की श्रेणी में आता है। दोषी शख्स में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। यह बर्बरता पूर्ण ढंग से मां की हत्या का मामला है। दोषी की प्रवृत्ति नरभक्षी की है। यह टिप्पणी करते हुए जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे और जस्टिस पीके चव्हाण ने दोषी बेटे की सजा ए मौत को यथावत रखा। इससे पहले दोषी शख्स सुनील कुचकोरावी को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया।

मेनिनजाइटिस जागरूकता बढ़ाए: टीकाकरण की जानकारी अहम

मुंबई। मेनिनजाइटिस एक रोकथाम योग्य बीमारी है, और इसके खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण हमारा सबसे प्रभावी उपकरण है। विश्व मेनिनजाइटिस दिवस मेनिनजाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और समय पर टीकाकरण के सुरक्षात्मक लाभों पर प्रकाश डालता है। हर साल वैश्विक स्तर पर 2.5 करोड़ से अधिक मामले सामने आने के साथ, मेनिनजाइटिस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में से लगभग 70% पांच साल से कम उम्र के बच्चे हैं। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेनिन्जेस) के आसपास की परत की सूजन है और यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फंगल या वायरल संक्रमण के कारण होता है। मेनिनजाइटिस की नैदानिक प्रस्तुति कारण, रोग की प्रगति (एक्यूट, उप-एक्यूट या क्रोनिक), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगोएन्सेफलाइटिस), और सेप्सिस जैसी किसी भी प्रणालीगत जटिलताओं के आधार पर भिन्न होती है। सामान्य लक्षणों में गर्दन में अकड़न, बुखार, भ्रम या परिवर्तित मानसिक स्थिति, सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कम बार आने वाले लक्षणों में दौरे, कोमा, या तंत्रिका संबंधी हानि, जैसे श्रवण या दृष्टि हानि, संज्ञानात्मक गिरावट, या अंग कमजोरी शामिल हो सकते हैं। भारत सबसे अधिक मैनिंजाइटिस से संबंधित मौतों वाले शीर्ष तीन देशों में से एक है। एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस का कारण बनने वाले तीन रोगजनकों में से, निसेरिया मेनिंगिटिडिस में मृत्यु दर उच्च है, जो उपचार के साथ 15% तक और बिना उपचार के 50% तक पहुंच जाती है। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि दो साल से कम उम्र के भारतीय बच्चों में निसेरिया मेनिंगिटिडिस संक्रमण की घटनाएं बढ़ रही हैं। चिंताजनक आँकड़ों के बावजूद, टीकाकरण के माध्यम से मेनिनजाइटिस को काफी हद तक रोका जा सकता है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) की सिफारिश है कि 9 से 23 महीने की उम्र के शिशुओं को मेनिंगोकोकल वैक्सीन की दो खुराक दी जानी चाहिए, कम से कम तीन महीने के अंतर पर, जबकि उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों, जैसे कि प्रतिरक्षाविहीनता वाले लोग, कॉलेज के छात्र, विदेश जाने वाले छात्र, यात्री 2 से 55 वर्ष की आयु के भीड़-भाड़ वाले वातावरण में रहने वाले व्यक्तियों को एक खुराक मिलनी चाहिए।

समाज सेवी डॉ. सचिन सिंह का हुआ अभिनंदन समारोह

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के महासचिव एवम समाज सेवी डॉ.सचिन सिंह का अभिनंदन समारोह युवाब्रिगेड एसोसिएशन द्वारा केशव पाड़ा, मुलुंड प. एवम कादंबरी क्लिनिक भांडुप प. पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. बाबुलाल सिंह, महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता-भरत सिंह, भांडुप पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक खंडागले, ए.पी.आई सांगले, उत्तर भारतीय मित्र मंडल के महासचिव बीरेन्द्र पाठक, उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष मंगला शुक्ला, उ.भा.सेल के सचिव शरीफ खान, बबीता गुप्ता, हरविंदर सिंह, योगेन्द्र श्रीवास्तव (फिल्म प्रोड्यूसर), मैथ्यु चेरियन, एड.रविन्द्र कुमार, महानगरी को.आप. क्रेडिट सो. के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र मिश्र, मैनेजर सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षाविद चंद्रवीर यादव (महासचिव यादव महासभा. मुंबई), संजय त्रिपाठी, दयाशंकर पाल कराटे प्रशिक्षक, विनायक घाणेकर अध्यक्ष कुणबी समाज विकास संघ, मोहित सिंह महासचिव युवा कांग्रेस, अविनाश पाठक, राजकुमार सिंह, रवि बरनवाल, राजेश सोनकर, हीरालाल भणगे, रीना मोजेस, फिरोज अहमद खान, बांकेलाल मल्लाह, ए.के.यादव, प्रदीप बिंद, अमरदेव पाठक, नीतेश सिंह, नरेंद्र सिंह, भोलासिंह, रामवृक्ष सिंह, महानंद सिंह, कपिल सिंह, मनोज सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने शाल एवम पुष्प गुच्छ तथा भेंट वस्तु प्रदान कर डॉ.सचिन सिंह का अभिनंदन किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

युवा मित्र मंडल द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा नवरात्रोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। युवा मित्र मंडल की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित गणेश नगर में बड़े धूमधाम के साथ नवरात्रोत्सव मनाया जा रह है। युवा मित्र मंडल के पंडाल में स्थापित मां अम्बे जी का दर्शन पूजन करने हेतु अनेकों गणमान्य लोग मां के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। वहीं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मां अम्बे जी के दरबार में हाजिरी लगाते हुए मां का पूजन अर्चन किया। इस दौरान बाल मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष मुकलेश गिरी ने बजरंग दल कोंकण प्रांत गौ रक्षा प्रमुख चंदन सिंह, विश्व हिंदू परिषद के बोईसर प्रखंड प्रमुख एस.पी. सिंह, विश्व हिंदू परिषद मंत्री अरविंद सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक जयेश घरत, रॉबिन सिंह, कुंदन सिंह, धनंजय सिंह के अलावा विहिप बजरंग दल अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का माता जी के नाम के सम्मान वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया। इस दौरान गायक सिंटू ने माता जी के भजन की उत्कृष्ट गायकी का प्रस्तुतीकरण करते हुए कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मां अम्बे जी के भक्तगणों में स्थानीय पुरुष महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। बाल मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष मुकलेश गिरी ने मां अम्बे जी के दरबार में हाजिरी लगाने वाले सभी भक्तगणों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

पोखरे में डूबने से दो युवक सहित तीन की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पोखरे में डूबने से दो युवकों और एक किशोर की मौत हो गई है। इस घटना से हर किसी को स्तब्ध कर दिया। एक घटना अहरौला थाना क्षेत्र के सकरकोला गांव में तो दूसरी घटना बरदह थाना क्षेत्र के पुरसुड़ी गांव की है। अहरौला में डूबे किशोरों के शव को लेकर परिजन अंबेडकर चले गए वहीं बरदह थाना क्षेत्र में डूबे किशोर के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टक को भेजा है।

जानकारी के अनुसार,अहरौला के सकरकोला स्थित पोखरे में नवमी पूजा के लिए अंबेडकर से दो किशोर सफेद लेने के लिए पहुंचे। सफेद फूल तोड़ने के लिए वह पोखरे में उतरे और डूब गए। किशोरों के पोखरे में डूबने की सूचना पर मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। लोगों ने पोखरे से किशोरों के शव को बाहर निकाला। सूचना पर अंबेडकर नगर से पहुंचे परिजन उनके शव को

अपने साथ लेकर चले गए। लोगों का कहना है कि गर्मी में पोखरे से मिट्टी का निकास हुआ था। जिसके कारण यह काफी गहरा हो गया था। किशोर पोखरे की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और फूल की लालच में उतरे और डूब गए। मृतकों में मोनू शर्मा पुत्र श्रीनाथ शर्मा दूसरा अमरीश मिश्रा पुत्र नरसिंह ग्राम उधवपट्टी थाना जैतपुर अंबेडकर हैं।

वहीं, दूसरी घटना बरदह थाना क्षेत्र के पुरसुडी गांव की है। जहां बीती रात गांव निवासी केदार विश्वकर्मा के घर ननिहाल आए सचिन विश्वकर्मा पुत्र सतीश ग्राम हनुआडीह थाना गौराबादशाहपुर (जौनपुर) पोखरे में डूब गया। रात में ही उसकी तलाश पोखरे में की गई लेकिन नहीं मिला। शुक्रवार को पुलिस ने जौनपुर से गोताखोरों को बुलाया और शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महापुरुषों को जानने और पढ़ने से रोक रही है योगी सरकारः राकेश मौर्य

◆ जेपीएनआईसी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की स्मृति में बनाया सपा नेः दीपचंद सोनकर

◆ लोकनायक की जयंती पर जाने से रोकना भाजपा सरकार का निंदनीय कृत्यः लल्लन यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर जिला समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जननायक लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 122वीं जयंती जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में मंगलम लॉन मियांपुर में समारोह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात गोष्ठी के माध्यम से लोकनायक जयप्रकाश नारायण के संघर्षों, आदर्शों को याद करते हुए उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि आज सत्ता की निरंकुशता ये है की महापुरुषों को उनकी जयंती पर याद करने, जानने और पढ़ने से रोका जा रहा है। जबकि लोकनायक जयप्रकाश नारायण खुद में आंदोलन थे खुद में क्रांति थे आज इस क्रांति की जरूरत है जनता 2027 में जयप्रकाश नारायण जी के आदर्शों पर चलकर इस तानाशाह और निरंकुश सरकार को उखाड़ फेकेगी। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर ने कहा कि जेपीएनआईसी का निर्माण सपा ने इसलिए कराया था की युवा पीढ़ी जयप्रकाश नारायण जैसे महापुरुषों को पढ़ सके जान सके और उनमें भी कुरीतियों और तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने की ताकत पैदा हो सके। ऐसे में लखनऊ में निरंकुश सत्ता ने अखिलेश यादव को रोककर तानाशाही का परिचय दिया है जिसकी हमसभी निंदा करते हैं। गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए पूर्व एमएलसी लंदन प्रसाद यादव ने कहा कि 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की तानाशाही के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का आवाहन करने वाले जयप्रकाश नारायण जी को याद करने से रोकना भाजपा सरकार की हताशा और निराशा का परिचय है हम आज भी उनके आदर्शों पर चलने वाले लोग हैं 2027 में जनता खुद जयप्रकाश नारायण जी के आदर्शों पर चलकर भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल कर देगी। संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। गोष्ठी के अंत में सपा नेता श्रवण जायसवाल की माताजी और सुइथा ब्लॉक महासचिव श्रीपति यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई।

आओ सुनाये एक कहानी वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी रियाजुल हक खान की जुबानी

इम्तियाज अहमद ज़िला संवाददाता

जौनपुर।(उत्तरशक्ति)। एक राजा ने जनता के लिए एक पुल

बनवाया। पुल बनने से कुछ लोगो को दिक्कत थी। राजा ने एक बॉक्स रखवा दिया कि जिसका भी विरोध है वो एक पर्ची पर लिखकर बक्से में डाल दे। किसी ने कोई विरोध नहीं किया। पुल बनकर रेडी हो गया। फिर राजा ने सोचा कि क्यों न इसपर चलने वालो के लिए कोई टोल लगा दिया जाए। और राजा ने टोल लगाने से पहले फिर एक डब्बा रखवा दिया कि जिसको भी विरोध हो वो पर्ची पर लिखकर डब्बे में डाल दे। लेकिन फिर भी किसी ने विरोध नहीं किया। राजा को बड़ी चिंता हुई कि जनता किसी चीज का विरोध ही नहीं कर रही है। फिर राजा ने पुल पर दो आदमी बैठा दिए और हर दस मिनट के गैप के बाद जो भी वहां से गुजरे उनको दो दो जुता मारने के आदेश दे दिए। अब फिर एक डब्बा रखवा दिया कि जुता मारने पर किसी को कोई विरोध है तो एक पर्ची पर विरोध दर्ज करके डब्बे में डाल दे। एक आदमी ने एक पर्ची डालकर विरोध जता दिया। राजा बड़ा खुश हुआ कि कोई तो मर्द आदमी निकला जिसने विरोध किया और उसने एक आदमी भेजकर उसे दरबार में बुलाया कि उसका क्या विरोध है। जब वो आदमी दरबार में हाजिर हुआ तो उससे पूछा गया कि बतावो आप क्या चाहते हो तो उस आदमी ने कहा कि जुता मारने वाले आदमियों की संख्या बढ़ा दीजिए दो आदमी कम पड़ते है और दस मिनट का गैप भी कम होना चाहिए क्योंकि लोगो का टाइम खराब हो रहा है और लाइन लग जाती है। देश में यही चल रहा है आज कल शहर का पॉलिटेक्निक चौराहा बंद होने का यही कारण है।

छिनैती करने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से मोटर साइकिल सहित छिनैती का सामान बरामद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा छिनैती की घटना का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त साहेब अली उर्फ साहबे आलम पुत्र अजीमुद्दीन शाह निवासी लुरही थाना लोहता जनपद वाराणसी को दिनांक 11.10.2024 को समय करीब 03.15 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 1 पर्स, 1 आधार कार्ड व पर्स मे 500 रुपए की एक नोट, 1 तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतुस .315 बोर व एक अपाचे मोटर साइकिल सफेद कलर बरामद कर थाना स्थानीय पर लाकर अन्तर्गत धारा 207 एमवीएक्ट मे सीज किया गया।अभियुक्त का चालान मा न्यायालय किया गया है। घटना का

संक्षिप्त विवरण- दिनांक 10.10.2024 को सत्येन्द्र कुमार यादव पुत्र सुबाष यादव निवासी करमही थाना जफराबाद जनपद द्वारा द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि आवेदक की पत्नी का पर्स अपाचे सवार 2 अज्ञात व्यक्ति द्वारा छिनकर भाग गये। जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 231/24 धारा 309(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

उक्त घटना के अनावरण हेतु टीम गठित कर थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी के निर्देशन मे उ0नि0अमित कुमार पाण्डेय मय हमराह उ0नि0 रविप्रकाश, हे0का0 अमित गुप्ता व हे0का0 विजय बहादुर मय सरकारी वाहन यूपी 62 एजी 0278 चालक हो0गा0 हौशिला प्रसाद के व रात्रि कोबरा मे लगे हे0का0 वीरेन्द्र यादव व का0 राहुल सिंह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर सेवई नाला चौराहे से ग्राम कुछमुछ की तरफ जाने वाले मार्ग पर रेलवे अण्डर पास के नीचे से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

जनपद में धूमधाम से मनाया गया शारदीय नवरात्रि की नवमी का पर्व

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद में आज शारदीय नवरात्रि की नवमी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र सिंह ने शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि पर अपने आवास पर मां भगवती के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कन्याओं का

पूजन कर नवरात्र आराधना पूरी की। मंत्रोच्चार के बीच पूजन प्रक्रिया में उन्होंने नौ कन्याओं और एक बटुक भैरव के पांव पखारकर उन्हें अपने हाथ से भोजन कराया और उनका आशीर्वाद लिया। जिलाधिकारी ने पहले कन्याओं के पैर धोये उसके बाद उनको टीका लगाया। इसके बाद कन्याओं को किताबों के साथ स्कूल बैग, टिफिन और अन्य उपहार दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि की तथा दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं दी और त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की।

नहर में अज्ञात महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

◆ मामला शाहगंज थाना क्षेत्र के आजाद नहर का

खेतासराय, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शुक्रवार की सुबह आजाद नहर के रेलवे पुल मे फसी एक महिला का शव उतरया मिला। पीला क्रीम कलर की जींस और कुर्ती पहने हुए थी। जिसकी उम्र लगभग 32 वर्ष गोरा रंग हाथ मे चूड़ी और शरीर पर कुछ चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। उक्त महिला नहर मे पानी के सहारे कहीं से बहकर जा रही थी तभी रेलवे के पुल मे फंस कर वहीँ स्थिर हो गयी।सुबह जब ग्रामीणों देखा तो इसकी सूचना शाहगंज पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस किसी तरह शव को

बाहर निकलवाया शिनाख्त की कोशिश की लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस तरह से यंग महिला का शव मिलने से तरह तरह की चचाएं व्याप्त है। पुलिस ने बताया की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के स्तिथि स्पष्ट हो पायेगी।

बढ़ाई जाएगी सीवर, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और जलनिकासी की सुविधाएं

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शहर में सीवर, पेयजल, जलनिकासी और स्ट्रीट लाइट की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में नगर निगम में हुई कार्यकारिणी की बैठक में 1136.97 करोड़ का पुनरीक्षित बजट पास किया गया। इस दौरान जलकल के 295 करोड़ का पुनरीक्षित बजट भी पास किया गया। बीते गुरुवार को दोपहर एक बजे से शुरू हुई बैठक शाम 4:30 बजे तक चली। पुनरीक्षित बजट के कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मूल बजट 1049.16 करोड़ का था। जिसे 87.81 करोड़ रुपये बढ़ाकर पास किया गया। इसी प्रकार जलकल के 294 करोड़ का बजट 1 करोड़

◆ 295 करोड़ का पुनरीक्षित बजट हुआ पास

बढ़ाकर पास किया गया। बैठक में आय,व्यय के मदों पर चर्चा हुई। आय के मदों में 71.02 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई। व्यय के मदों में 44.27 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई। एसटीपी संचालन के मद में जल निगम को अवमुक्त की जाने वाली धनराशि पर मेयर ने कहा कि जल निगम के कार्यों का नगर आयुक्त और महाप्रबंधक जलकल परीक्षण कर लें। इसके बाद ही जल निगम को धनराशि जारी करें। परेड कोठी पर कंडम वाहनों को पांच दिनों में हटवाएं। सभी जोनों पर जन्म-मृत्यु पंजीयन के लिए कंप्यूटर, कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था करें। दुगार्पूजा एवं दशहरा के पर्व पर पूरे नगर में बेहतर सफाई, मार्ग प्रकाश एवं पैचवर्क की व्यवस्था कराएं। बैठक में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, महाप्रबंधक जलकल अनूप सिंह, उपसभापति नरसिंह दास, सदस्य अमरदेव यादव, प्रमोद राय, गरिमा सिंह मौजूद रहीं।इन मदों में की गई बढ़ोतरी 1.उद्यानों के रख-रखाव के मद को 2 करोड़ से 3 करोड़ बढ़ाकर 5 करोड़ किया गया। 2.एसटीपी सीवर पंपिंग स्टेशन रखरखाव के मद को 20 करोड़ से 20 करोड़ बढ़ाकर 40 करोड़ किया गया। 3.गंगा नदी सफाई के लिए फ्लोटिंग ग्रेस स्किमर खरीदने एवं संचालन के मद को 3.57 करोड़ से 1 करोड़ घटाकर 2.57 करोड़ किया गया। 4.जलकर, जलमूल्य एवं सीवरकर सहित अन्य जलकल विभाग के करों के मद को 96.30 करोड़ से 1 करोड़ बढ़ाकर 97.30 करोड़ किया गया। 5.नई नालियां बिछाने (जल, सीवर, मेनहोल निर्माण) के खर्च मद को 3 करोड़ से 50 लाख बढ़ाकर 3.50 करोड़ किया गया। 6.जल निकासियों के रख-रखाव के व्यय मद को 2 करोड़ से 1 करोड़ बढ़ाकर 3 करोड़ किया गया। 7.सीवर वाहिनियों एवं मैनहोल की मरम्मत पर व्यय के मद को 2.5 करोड़ से 1 करोड़ बढ़ाकर 3.5 करोड़ किया गया।

मारपीट करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा संवाददाता

बदलापुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के कस्तूरीपुर गांव में चकमार्ग की जमीन को लेकर घर में घुसकर मारपीट करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने सरोखनपुर बाईपास से शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक बदलापुर विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि कस्तूरीपुर गांव में चकमार्ग की जमीन को लेकर घर में घुसकर मारपीट करने वाले रमाशंकर पुत्र मदन चंद्र एवं राहुल पुत्र भगवानदीन निवासी ग्राम कस्तूरीपुर को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अदद चाकू व दो लाठी बरामद हुआ।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की लेकर सीओ द्वारा अपील

बदलापुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आईपीएस क्षेत्राधिकारी आयुष श्रीवास्तव तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के साथ देर रात भारी पुलिस बल के साथ इंदिरा चौक के चारों तरफ लगे दुर्गा पूजा पंडाल की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर भ्रमण करते हुए दुर्गा पूजा पंडाल समिति के लोगों से शांतिपूर्वक माता की विसर्जन करने के लिए आग्रह किया।और साथ ही साथ चेतावनी देते हुए बताया कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान खलल पैदा करने वालों के ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाआरती व डांडिया कार्यक्रम सम्पन्न

इम्तियाज अहमद ज़िला संवाददाता

मानी कलाँ, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा मानी कलाँ गांधी नगर (चाबुतरा) राम लीला मैदान मे स्थापित श्री

बाल दुर्गा पूजा समिति की तरफ से दिन बृहस्पतिवार की रात 8 वजे से महा आरती और डांडिया का कार्य क्रम प्रस्तुत हुआ जिसकी देख रेख समिति के अध्यक्ष दिलीप कुमार बिन्द, उपाध्यक्ष आकाश बिन्द, महामंत्री अर्जुन, उपमंत्री सुरज बिन्द, शुभम मोदनवाल आदि डांडिया मे उपस्थित बालकये मीनू प्रजापति,चन्दा बिन्द, बीजू प्रजापति, नीलम, अमृता बिश्वास, सोनम गुप्ता, कंचन, कुमकुम अदि दर्जनों बालिकाओं ने प्रस्तुत की और महा आरती में कुसुम बिन्द, पिंकी जयसवाल, दुर्गावती देवी, प्रियंका मदेशिया, सुमन गुप्ता, पूनम विश्वकर्मा, प्रमीला देवी, चांदनी विश्वाकर्मा, बन्दना ताडमाली आदि दर्जनो माताऔ बहनो ने महा आरती मे सम्मलित रही और दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उपस्थित रही।

हैप्पी होम स्कूल ग्रुप में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि का त्योहार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। हैप्पी होम स्कूल वरूणा व उदयपुर में 10 अक्टूबर को हैप्पी होम इंग्लिश स्कूल परिसर में नवरात्रि का त्यौहार धूम-धाम से मनाया गया। छात्र अपने पारंपरिक परिधानों में सजकर आए थे, साथ इंडिया लाए थे। उत्सव की शुरूआत देवी नवदुर्गा की पूजा अर्चना कर सभी को बुराई से बचाने का आशीर्वाद मांगकर की गई। भाषणों ने छात्रों को नवरात्रि के नौ दिनों का महत्व सिखाया। लड़कियों ने चनिया चोली और

लड़कों ने चूड़ीदार कुर्ते पहने थे। मधुर संगीत और लयबद्ध बीट्स पर छात्र-छात्राओं व शिक्षक झूमें और गरबा व डांडिया गीतों पर उत्सव के मूड से मेल खाते हुए किया। उन्होंने अपनी रंगीन डांडिया स्टिक का उपयोग कर नृत्य किया। एक विविध देश होने के नाते, इस तरह के उत्सव के माध्यम से छात्रों ने इन केवल त्यौहार के पीछेका महत्व सीखते है। अपनी तरह ही दूसरों की परम्पराओं व संस्कृति को अपनाते हैं। नवदुर्गा जी की आरती से समारोह का समापन हुआ। विद्यालय के चेयरमैन शिक्षाविद विनय कृष्ण अग्रवाल, निर्देशिका श्रीमती सविता अग्रवाल, मनोरंजन अग्रवाल, श्रीमती रोली अगग्राल, पुष्परंजन अग्रवाल, श्रीमती निधि अग्रवाल उपस्थित थे।

नवरात्रि पर भव्य झांकी, महिषासुर का हुआ वध

बदलापुर, (जौनपुर)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान के द्वारा पिछले करीब बीस वर्षों से संचालिका ब्रह्मकुमारी आरती दीदी के द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रत्येक वर्ष माता रानी की भव्य झांकी का आयोजन किया जाता है। जिसमें मां दुर्गा के सभी नौ रूपों का साक्षात दर्शन करवाते हुए प्रसाद का वितरण किया जाता है। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान नौ देवियों के दर्शन करने के लिए पहुंचे अतिथियों में राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी तथा भाजपा नेता अखिल मिश्रा और समाजसेवी राजेश मिश्रा का संचालिका आरती दीदी के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। भव्य झांकी के दौरान नौ देवियों का अभिनय करने वाली देवियों में मां दुर्गा के रूप में अनुष्का मलिक, लक्ष्मी माता के रूप में सान्या मिश्रा, मां सरस्वती के रूप में आंचल गुप्ता, वैष्णवी माता के रूप में वर्षा उपाध्याय, मां काली के रूप में तृषा उपाध्याय, संतोषी माता के रूप में झलक निगम,

गायत्री के रूप में भूमि मिश्रा, ब्रह्मचारिणी के रूप में आस्था, कार्तिकेय भगवान के रूप में हिमांशु गुप्ता, गणेश भगवान के रूप में मन निगम, महिषासुर के रूप में सूरजपाल, के अभिनय के माध्यम से द्वारा भक्तों को साक्षात दर्शन करवाया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ अशेष उपाध्याय के द्वारा किया गया।

ब्रह्म कुमारी ईश्वरी संस्थान द्वारा आयोजित झांकी कार्यक्रम में डॉक्टर शिवफेर लाल, हरिश्चंद्र, जगदीश, रामफेर, सुनील,विकास, कपिल, डॉक्टर सविता पाठक, डॉ.अशोक मिश्रा होम्योपैथिक, अश्विनी, राम प्रसाद, बहन रानी, अंकित राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत प्रधानाध्यापिका डॉक्टर विभा शुक्ला, नोडल बालिका शिक्षा डॉक्टर यामिनी सिंह डॉ.अरविंद कुमार दुबे सहित काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे। वही कार्यक्रम के दौरान आए हुए भक्तों के समक्ष देव तथा परी के द्वारा शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया।

भीड़ के बीच में रह कर करे पुलिस निगरानीः गौरव बंशवाल

कमिश्नरेट के काशी जोन में सभी दुर्गा पंडालों पर पुलिस रहेगी अलर्ट

डॉ.एस.के.मिश्र जिला संवाददाता

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-डी सी पी नें महिला पुलिस, कांस्टेबल एवं सबकांस्टेबल और सिविल ड्रेस में पुलिस के जवान भी तैनात रहेंगे और शहर में हिस्ट्रीसीटर, जेब कतरो को चिन्हित कर विशेष निगरानी की जाएगी। इसके साथ ही भरत मिलाप (नाटी इमली) लेकर भी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आम जन-मानस को किसी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े।भीड़भाड़ वाले इलाकों में सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जाएगी ताकि किसी प्रकार के अवांछित तत्वों से निपटा जा सके। जितने भी चिन्हित लोग हैं व उनका अपराधिक इतिहास है गहनता से उनसे पूछताछ भी की जा रही है।इसी के साथ निगरानी में भी रखा जा रहा है और साथ ही साथ भीड़भाड़ वाले क्षेत्रो में उच्चकागिरी करने वालों के खिलाफ एंटीरोमियो की टीम लगाई गई है। मिशन शक्ति अभियान के तहत साइबर क्राइम, जो एसिड की बिक्री हो रही है और रोकथाम के लिए काफी व्यापक तौर पर अभियान चलाया जा रहा है।जिसकी प्रतिदिन समीक्षा की जाती है किसी भी महिला के साथ अगर दुर्व्यवहार हो रहा है तो तुरंत डायल नंबर 1090 पर कॉल करें तुरंत कॉल करने और तुरन्त मदद के लिए पुलिस सदैव तत्पर है।

निगोह बाजार में सड़क जाम व पुलिस टीम पर पथराव करने वाले 29 अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

जौनपुर।(उत्तरशक्ति)थाना बरसठी पुलिस टीम द्वारा निगोह बाजार में सड़क मार्ग को जाम व पुलिस पार्टी पर पथराव करने वाले 29 अभियुक्त/अभियुक्ता को किया गया गिरफ्तार- पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण में दिनांक 10.10.2024 को निगोह बाजार में सड़क मार्ग को जाम करने व पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से पथराव, सरकारी वाहन तोड़फोड़ व लूटपाट करने वाले अभियुक्तगण को मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष बरसठी, श्री कश्यप कुमार सिंह मय हमराह, थानाधय्क्ष रामपुर मय हमराह, थानाध्यक्ष नेवढिया मय हमराह, थानाध्यक्ष सुरेरी मय हमराह , थानाध्यक्ष मडियाहूँ मय हमराह, थानाध्यक्ष मीरंगज मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 278/24 धारा 3(5), 3(6), 9(2)ख,189(1)क, 189(4), 191(2), 191(3),190,126(2),127(2),132 ,121(1),125,109(1), 324(4), 352, 351(3), 61(2),309(6) बी0एन0एस0 व 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 1932 थाना बरसठी जिला जौनपुर से सम्बन्धि वांछित 29 अभियुक्त/अभियुक्ता को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्त/अभियुक्ता का विव ?ण- 1. अरविन्द शुक्ला पुत्र स्व0 चिन्तामणि शुक्ला

निवासी सराय हरिहर उम्र 45 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 2. ओमप्रकाश यादव पुत्र स्व0 बृजेश चन्द्र यादव उम्र करीब 42 वर्ष नि0 चमराहा थाना बरसठी जौनपुर । 3. राहुल यादव पुत्र अमरजीत यादव उम्र करीब 20 वर्ष नि0 मगरमू थाना बरसठी जौनपुर । 4. सन्तोष कुमार सरोज पुत्र स्व0 इन्दू सरोज उम्र करीब 22 वर्ष नि0 आमापुर थाना बरसठी जौनपुर । 5. रविन्दर सरोज पुत्र हीरालाल नि0 पाली उम्र करीब 38 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 6. लवकुश गौतम पुत्र सोमनाथ उम्र करीब 25 वर्ष नि0 सराय हरिहर थाना बरसठी जौनपुर । 7. राजेश कुमार शुक्ला पुत्र स्व0 चिन्तामणि शुक्ला उम्र करीब 51 वर्ष नि0 सराय हरिहर थाना बरसठी जौनपुर । 8. अतुल सरोज पुत्र विजय सरोज उम्र करीब 22 वर्ष नि0 जमुनीपुर थाना बरसठी जौनपुर । 9. अखिलेश शुक्ला पुत्र राजदेव शुक्ला उम्र करीब 22 वर्ष निवासी जमुनीपुर थाना बरसठी जौनपुर । 10. अरून सरोज पुत्र दयाराम सरोज निवासी जमुनीपुर उम्र 18 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 11. विवेक कुमार पुत्र सुभाष चन्द दूबे उम्र करीब 32 वर्ष नि0 गहली थाना बरसठी जौनपुर । 12. सुभाष चन्द दूबे पुत्र स्व0 रघुवीर प्रसाद उम्र करीब 62 वर्ष नि0 गहली थाना बरसठी जौनपुर । 13. नरेश सरोज पुत्र महेन्द्र सरोज उम्र करीब 22 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 14. रंजीत गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता निवासी निगोह उम्र करीब 23 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 15. करिया पुत्र नीबू सरोज निवासी निगोह उम्र करीब 24 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 16. राम कुमार मिश्रा उर्फ विक्की पुत्र प्रभुनारायण मिश्रा निवासी निगोह उम्र करीब 18 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 17. शिवम मौर्या पुत्र बचई मौर्या नि0 ग्राम निगोह उम्र करीब 26 वर्ष थाना बरसठी जौनपुर । 18. रवि सरोज पुत्र राकेश सरोज उम्र करीब 22 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 19. शनि सोनकर पुत्र बुद्दू सोनकर उम्र करीब 21 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 20. अकबर अली पुत्र कौशल अली उम्र करीब 32 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 21. दशरथ सोनकर पुत्र स्व0 गंगाराम सोनकर उम्र करीब 40 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 22. सूरज गुप्ता पुत्र रामप्रसाद उम्र करीब 22 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 23. विकाश गुप्ता पुत्र रामप्रसाद उम्र करीब 18 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 24. रोदन अली पुत्र असगर अली उम्र करीब 19 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 25. शुभम गुप्ता उर्फ जोगेन्द्र कुमार उम्र करीब 19 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 26. जोगेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र बबऊ राम गुप्ता उम्र करीब 45 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 27. राकेश गुप्ता पुत्र दयाशंकर गुप्ता उम्र करीब 24 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 28. सोना देवी पत्नी छोटेलाल उम्र करीब 45 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर । 29. इसरावती देवी पत्नी मंगली प्रसाद उम्र करीब 50 वर्ष नि0 ग्राम निगोह थाना बरसठी जौनपुर ।

गोल्याणा में सजा मां दुर्गा का पांडाल,टीम ने किया विधायक का सम्मान

चिराना। उपखंड नवलगढ़ के ग्राम गोल्याणा में शिवगोरा ट्रस्ट मंदिर परिसर में नवरात्री के उपलक्ष्य में मां दुर्गा का पांडाल सजाया गया जिसमें रात्रि को माता रानी के जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।सभी ने माता की आरती की और जोत के दर्शन किए।आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक विक्रम सिंह जाखल ने शिरकत की और माता के दरबार में शीश नवाया। आयोजक टीम ने विधायक विक्रम सिंह शेखावत का माल्यार्पण के साथ साफा पहनाकर उनका स्वागत किया गया।इस मौके पर उनके साथ में आए लोहार्गल सरपंच जगमोहन सिंह शेखावत ऊर्फ (जैकी),बाबूलाल सैनी का भी स्वागत सत्कार किया। इस दौरान मंच के माध्यम से नथमल कुमावत बड़वासी,डॉ.राजेंद्र कुमावत चिराना का सम्मान भी टीम द्वारा किया गया।मनोज कुमावत,बंशीधर कुमावत,मुकेश कुमावत,विक्रम मीणा, जितेंद्र सिंह,प्रमोद कुमार,मोहन कुमावत,जुगल कुमावत,रामस्वरूप कुमावत सहित कई श्रद्धालु गण एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।कार्यक्रम का संचालन अध्यापक मनोज कुमार ने किया। यहां राष्ट्रीय संत एवम् प्रचारक कृष्ण गोपाल महाराज (नावां वाले)द्वारा भजन प्रस्तुति भी माता के दरबार में दी गई।

फिल्म अभिनेता सयाजी शिंदे एनसीपी में शामिल, अजित पवार ने चुनाव से पहले किया बड़ा दावा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की तरफ से अभिनेता सयाजी राव शिंदे स्टार प्रचारक होंगे। मुंबई में एक अहम प्रेस कांफ्रेंस में उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने इसका ऐलान किया। अजित पवार ने सयाजी राव शिंदे के पार्टी में शामिल होने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनके पार्टी में आने से फायदा होगा। अजित पवार ने कहा विजयदशमी और नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। सयाजी राव शिंदे ने एनसीपी में शामिल होने के मौके पर कहा कि उन्होंने सिनेमा में खूब तरह तरह की भूमिकाएं कीं। अब वह राजनीति में एंट्री ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वह महाराष्ट्र के लिए काम करेंगे। एनसीपी की प्रेस कांफ्रेंस में वरिष्ठ मंत्री छगन भुजबल भी मौजूद रहेंगे।

एनसीपी में शामिल होने के बाद सयाजी राव शिंदे ने अजित पवार के काम की तारीफ की। शिंदे ने कहा कि किसान ही सबकुछ हैं। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है। वह उस पर खरा उतराने की कोशिश करेंगे। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र की राजस्व अर्जित करने में काफी बड़ी भूमिका है। वह पर्यावरण की सुरक्षा और किसानों के लिए काम करेंगे। शिंदे ने लाडली बहन योजना की भी तारीफ की। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले मराठी और हिंदी फिल्मों के अभिनेता सयाजी शिंदे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं। प्रेस कांफ्रेंस की शुरूआत से पहले एनसीपी चीफ अजित पवार ने सयाजी शिंदे का पार्टी में स्वागत किया। सयाजी शिंदे महाराष्ट्र के सतारा जिले से ताल्लुक रखते हैं। वह पूर्व में महाराष्ट्र सिंचाई विभाग में वॉचमैन भी रह चुके हैं। इसी दौरान उन्हें एक्टिंग का चस्का लगा था। शुरूआत में संघर्ष के बाद वह मुंबई आ गए थे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने सुबह 11:40 बजे मीडिया के साथ यह जानकारी साझा की। इसमें कहा गया है कि एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इस इस मौके पर एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सांसद प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे, वरिष्ठ नेता मंत्री छगन भुजबल मौजूद रहेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस वानखेड़े स्टेडियम के एमसीए लाउंज में रखी गई है। इसका समय शाम 6.30 बजे तय किया गया है। अजित पवार पिछले साल 2 जुलाई को महायुति सरकार में शामिल हुए थे। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि एक दिन पहले यानी गुरुवार को महाराष्ट्र कैबिनेट की एक बैठक हुई थी। अजित दादा पवार इस बैठक को कुछ देर में ही छोड़कर निकल आए थे।

पति की मौत के बाद मां ने की दूसरी शादी, 8 साल के बेटे को छोड़ा अनाथालय, दुखी बच्चे ने की आत्महत्या

मुंबई। मीरा-भाईंदर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 8 साल के बच्चे ने अनाथालय परिसर में स्थित कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान था, क्योंकि उसकी मां उसे दूसरी शादी करने के बाद अनाथालय छोड़ गई थी।

पुलिस के अनुसार, अनाथालय में रह रहे बच्चे ने कुएं में कूदकर खुदकुशी कर ली। घटना मंगलवार सुबह 7.30 बजे की है। बच्चा पिछले कई महीनों से मीरा-भाईंदर स्थित केयरिंग हैंड्स सेवा कुटीर अनाथालय में रह रहा था। सोमवार रात को 11 बजे जब सब बच्चे सोने चले गए, तब उक्त बच्चा भी उनके साथ गया था। मंगलवार को सुबह जब बच्चों की गिनती हुई, तब एक बच्चा मिसिंग था। जब अनाथालय के कर्मचारियों ने तलाश शुरू की, तो अनाथालय के ही प्रांगण के बने कुएं में बच्चे का शव मिला। उत्तन पुलिस के पीएसआई लक्ष्मन बडादे ने बताया कि लगभग 8 महीने पहले बच्चे की मां ने उसे अनाथालय में छोड़ा था। बच्चे के पिता की मौत के बाद मां नालासोपारा में रहने वाले किसी व्यक्ति के साथ रह रही थी। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण बच्चे की मां ने उसे अनाथालय में रखा था। पुलिस का कहना है कि बच्चा मानसिक तनाव से गुजर रहा था। उसका अनाथालय में मन नहीं लग रहा था। कुछ वक्त पहले ही जब उसकी मां उससे मिलने आई थी, तब उसने कहा था कि वह यहां नहीं रहना चाहता है। वह अपनी मां के साथ रहना चाहता था। हालांकि, मां उसे अपने साथ नहीं ले गई और माना जा रहा है कि इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया।

20 को आएंगे मोदी, आगवानी को काशी तैयार

वाराणसी। 20 अक्टूबर को काशी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित काशी आगमन को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी है। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार दोपहर लगभग 12:30 बजे बाबतपुर हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का आगमन होगा। यहां भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय जनता द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया जायेगा. ढ़ोल-नगाड़े बजाए जायेंगे। पीएम मोदी पर पुष्प वर्षा की जाएगी। इसके पश्चात प्रधानमंत्री मोदी सड़क मार्ग से नगर की ओर प्रस्थान करेंगे। रिंग रोड पर स्थित शंकर नेत्रालय जाएंगे, जहां उत्तर भारतीयों के लिए बने आंख के अस्पताल का लोकार्पण करेंगे और नेत्रालय से जुड़े विशिष्ट जनों से संवाद भी करेंगे । इसके बाद प्रधानमंत्री सिगरा में लगभग 200 करोड़ की लागत से तैयार वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (सिगरा स्टेडियम) का उद्घाटन करेंगे और बाबतपुर टर्मिनल बिल्डिंग फाउंडेशन के शिलान्यास सहित अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी सिगरा स्टेडियम में अपरान्ह 3:00 जनसभा को सम्बोधित करेंगे जिसमें वाराणसी जिले और महानगर के भाजपा कार्यकर्ता और आम जनता शामिल होंगे। जनसभा के बाद प्रधानमंत्री मोदी सड़क मार्ग से बाबतपुर हवाई अड्डे के लिए प्रस्थान करेंगे और अपने यात्रा कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के जोरदार स्वागत और जनसभा की सफलता के लिए वाराणसी जिला और महानगर में तैयारियों का दौर शुरू हो गया है। इसके तहत विभिन्न बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर काशी में उत्साह का माहौल है और भाजपा कार्यकर्ता उनकी अगवानी के लिए बड़े स्तर पर तैयारियों में जुट गए हैं।

मनीषा निमकर ने समाज कल्याण का निर्धार किया है: प्रकाश निकम

सभापति मनीषा निमकर की पुस्तक 'निर्धार समाज कल्याणचा' का किया गया विमोचन

-अजीत सिंह

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के बिरसा मुंडा सभागृह में शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 को समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट पुस्तिका 'निर्धार समाज कल्याणचा लेखाजोगा 2024' का विमोचन उपस्थित मान्यवरों के हाथों किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने बोलते हुए कहा कि पूर्व राज्य मंत्री और वर्तमान समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर ने समाज कल्याण सभापति का पद संभालने के बाद से समाज कल्याण विभाग को नई आशा और जीवन को एक नई दिशा देने का काम किया गया है। जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे, समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर, कृषि एवं पशुपालन समिति सभापति संदीप पावड़े, महिला एवं बाल कल्याण समिति सभापति रोहिणी शेलार, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, पंचायत समिति सभापति शैला कोलेकर, जिला परिषद सदस्यों और सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति में उक्त पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाश निकम ने बोलते हुए कहा कि समाज कल्याण विभाग में कर्मचारी कम होने के बावजूद भी इस विभाग की इतनी सारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

मनीषाताई निमकर व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचकर उन्हें लाभ मिला है या नहीं की जानकारी लेती हैं। योजनाओं का विवरण देने वाली समाज कल्याण विभाग की इस रिपोर्ट को जारी करने के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं।

सभापति मनीषा निमकर द्वारा जारी समाज कल्याण विभाग की रिपोर्ट में समाज कल्याण की सभी योजनाओं, दिव्यांग पशुपालकों के दुधारू पशु, दिव्यांग महिलाओं को लघु उद्योग के लिए सामग्री उपलब्ध कराने, घर घंटियां उपलब्ध कराने, अनुदानित सहायता प्राप्त विशेष बच्चों के स्कूलों में दिव्यांग छात्रों को वित्तीय सहायता देने, दिव्यांग व्यक्तियों को स्व-रोजगार के लिए वित्तीय सहायता, अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा देने पर अनुदान योजना, दिव्यांग और गैर-दिव्यांग व्यक्तियों के विवाह को बढ़ावा देने पर अनुदान योजना की विस्तृत जानकारी दी गई है। साथ ही सभी योजनाओं के आवेदन के नमूने भी रिपोर्ट में देखे जा सकते हैं। इस रिपोर्ट में सभापति मनीषा निमकर की निधि से किये गये व्यापक कार्यों की समीक्षा की गयी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सार्वजनिक निर्माण मंत्री व पालघर जिले के पालक मंत्री रवींद्र चव्हाण, विधायक हितेंद्र ठाकुर, जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, उपाध्यक्ष पंकज कोरे और सभी सभापति सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस रिपोर्ट को शुभ संदेश दिया है। सभापति मनीषा निमकर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं समझती हूं कि प्रत्येक प्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वह ऐसी रिपोर्ट तैयार कर लोगों तक पहुंचाये। इस रिपोर्ट को तैयार करने में जिला परिषद के सभी अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के साथ-साथ समाज कल्याण विभाग के सभी अधिकारियों एवं पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने कहा कि सभी की मेहनत का नतीजा इस रिपोर्ट के रूप में हमारे सामने आया है और यह मनीषा निमकर के फॉलोअप के कारण संभव हुआ है, उन्होंने सभापति मनीषा निमकर को शुभकामनाएं दीं। कासा ग्राम पंचायत के उपसरपंच हरेश मुकणे ने उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण भावसार ने कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के दौरान उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी चन्द्रशेखर जगताप, मुख्य लेखा वित्त अधिकारी धनराज पांडे, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर व जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री रामलीला उत्सव समिति में शिव लिंग स्थापना एवं अंगद रावण संवाद का मंचन

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति विक्रोली पार्क साईट द्वारा आयोजित रामलीला मे शिव लिंग स्थापना एवं पूजन अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, राम विलाप आदि लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रुप मे मंच पर उपस्थित हिंदी दैनिक उत्तर शक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक भाई जगताप, पार्क साईट पोलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष घाटेकर,उत्तर भरतीय संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह, मुंबई कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेनेट डिसूजा,उद्योगपति एस पी सिंह, शिव सेना (शिंदे गुट) के नेता जयप्रकाश सिंह,मुंबई कांग्रेस सचिव रामगोविंद यादव, मुंबई गुजराती विभाग अध्यक्ष केतन शाह, भाजपा नेता अरुण शुक्ला, भाजपा नेता अशोक दुबे, उद्योगपति ठाकुर रितेश सिंह, हितेश सिंह, राजकुमार दीक्षित, कांग्रेस नेता उमेश जाधव,विजयपाल यादव, मनोज राजभर,रजत त्रिपाठी, अनिल यादव, प्रदीप गुप्ता, उषा मिश्रा सहित उपस्थित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी का समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने प्रभु श्रीराम नामी शाल गुलदस्ता और संकल्प पत्रिका भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर दिवाकर मिश्र, दलजीत पांडेय, राजेश सिंह,आई पी पांडेय, आदेश कुमार मिश्र, सर्वदेव पांडेय,बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, अवधेश तिवारी, राजन सिंह, शुभम सिंह,चंद्रेश दुबे,ब्रमहदेव दुबे, राजेश पांडेय, मोहन श्रीवास्तव,अशोक गुप्ता, संजय मिश्र सहित समिति के अन्य लोग मौजूद थे.

सुलभा गायकवाड ने नारियल फोड़ा किया भूमिपूजन

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व विधानसभा 142 के आशेले और मानेरे गांव में एक करोड़ तीस लाख रुपये की निधि से विभिन्न बदहाल सड़कों की मरम्मत की जाएगी, जिसका भूमिपूजन विधायक गणपत गायकवाड की पत्नी सुलभा गायकवाड के हाथों से किया गया। बतादें कि भाजपा विधायक गणपत गायकवाड ने आशेले और मानेरे गांव के कुछ महत्वपूर्ण रास्तों की दुरुस्ती के लिए शासन से पत्रव्यवहार किया था। विधायक की मांग को मंजूरी मिलने के बाद आशेले और मानेरे गांव में 1 करोड़ तीस लाख के फंड से सीमेंट कंक्रीट की मजबूत सड़कें बनाए जाएगी,जिसका उदघाटन सुलभा गायकवाड एवं स्थानिक नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान सुलभा गायकवाड़ ने मीडिया से बातचीत के दौरान कल्याण पूर्व की जनता से अपील करते हुए कहा कि आने वाले 5 साल के लिए यदि जनता मुझे मौका देती है,तो मैं जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करूंगी। एक प्रकार से सुलभा गायकवाड ने विधानसभा चुनाव लड़ने का पूरा संकेत दिया है। आने वाले समय मे बीजेपी से सुलभा गायकवाड़ ही असली उम्मीदवार होंगी इसमे कोई दो राय नही हो सकती।

नागपुर में आईवीएफ खर्चों को कम करना: प्रजनन उपचार को और अधिक सुलभ बनाना

नागपुर। डॉ. प्रियंका शहाणे इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) बांझपन से जूझ रहे जोड़ों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प का प्रतिनिधित्व करता है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच आशा प्रदान करता है। हालाँकि, आईवीएफ उपचार के वित्तीय प्रभाव कई लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा बने हुए हैं। जीवनशैली कारकों, विलंबित विवाह और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण बढ़ती बांझपन दर के साथ, आईवीएफ परिवार शुरू करने के इच्छुक लोगों के लिए एक जीवन रेखा प्रदान करता है। फिर भी, संबंधित लागतें अक्सर एक विकट बाधा उत्पन्न करती हैं। नागपुर में, एक आईवीएफ चक्र की कीमत ?1.5 लाख से ?2.5 लाख के बीच है। हालाँकि यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम है, फिर भी कई जोड़ों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, खासकर जब कई चक्रों की आवश्यकता होती है। नागपुर में बिड़ला फर्टिलिटी और आईवीएफ में प्रजनन विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका शहाणे जोर देती हैं, ₹ आईवीएफ का वित्तीय बोझ भारी हो सकता है, खासकर जब अतिरिक्त चक्र आवश्यक हो, यह कई परिवारों के लिए महत्वपूर्ण भावनात्मक और वित्तीय तनाव पैदा करता है। कुछ प्रगति के बावजूद, जैसे कि कुछ बीमा पॉलिसियों में प्रजनन उपचार को कवर करना शुरू हो गया है, व्यापक बीमा कवरेज अभी भी सीमित है। अधिकांश जोड़ों को खर्चों का प्रबंधन अपनी जेब से करना पड़ता है, जो काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसे कम करने के लिए, नागपुर में कई स्थानीय क्लीनिक वित्तपोषण विकल्प पेश कर रहे हैं, जिसमें किस्त योजना और कई चक्रों के लिए छूट शामिल हैं।

आर्य ग्लोबल ग्रुप सदैव मातृ-पितृ पूजन प्रतिबद्धता को कायम रखता है

कल्याण(उत्तरशक्ति)। आर्य गुरुकुल, सीबीएसई, नंदीवली, कल्याण (पू) और अंबरनाथ (पू) ने मातृ पितृपूजन को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया, जिसने प्यार का सही अर्थ सिखाया, बिना शर्त प्यार करने वालों के प्रति कृतज्ञता और प्यार व्यक्त किया। जीवन भर के लिए माता-पिता. मातृ-पितृ पूजन सबसे प्रिय व्यक्ति (माता-पिता और बच्चों) के बीच प्यार को उसके वास्तविक रूप में मनाने का दिन है। इस शुभ अवसर पर 250 से अधिक अभिभावकों और छात्रों की भारी भीड़ देखी गई, जो माता-पिता का सम्मान करने की हमारी प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करने और जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे।

श्रीमती राधामणि अय्यर, प्रिंसिपल (आर्य गुरुकुल, नंदीवली) और नीलेश राठौड़, प्रिंसिपल (आर्य गुरुकुल, अंबरनाथ) का मानना है कि यह पारंपरिक कहावत पिता के मूल्य पर जोर देती है और इस बंधन का जश्न मनाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि माता और पिता की पूजा की अवधारणा। यह हमारे जीवन के तरीके में गहराई से निहित है और माँ को प्रथम गुरु, पिता को दूसरे गुरु और आचार्य को तीसरे गुरु के रूप में माना जाता है। विद्यालय में हर वर्ष नवरात्रि के दौरान मातृ पितृपूजन मनाया जाता है। इन सभी नौ दिनों में छात्र भजन गाकर आरती करते हैं। दसवें दिन, जिसे आमतौर पर विजयादशमी या दशहरा कहा जाता है, नवधाना (अर्थात आंतरिक नवीनीकरण का बीज जो बोया गया और अंकुरित हुआ है) होता है। हमारी संस्कृति में गहराई से निहित यह परंपरा माता-पिता-बच्चे के रिश्ते को बढ़ावा देती है और बच्चों में बड़ों के प्रति सम्मान और प्यार के मूल्यों को विकसित करती है।

दीपावली शिल्प मेले का आगाज, आकर्षित हुए खरीदार

-शिल्प मेला वाराणसी की पहचान बन चुका है : अम्बरीश सिंह भोला

-सुरेश गांधी

वाराणसी। शहर के चौकाघाट मकबूल आलम रोड स्थित सांस्कृतिक संकुल में दीपावली शिल्प मेला - 2024 का भव्य आगाज हुआ, जो 29 अक्टूबर तक चलेगा। मेला का उद्घाटन हिन्दू युवा वाहिनी के अम्बरीश सिंह भोला ने दीप प्रज्जवलित एवं फीता काटकर किया। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आएं दुकानदारों के आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद ग्राहकों को लुभा रही है। लोगों ने जमकर खरीदारी भी की। 11 से 29 अक्टूबर तक चलने

वाले इस हस्तशिल्प मेले में 100 से अधिक स्टॉल्स लगाएं गए है। मेला प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक चलेगा। अम्बरीश सिंह भोला ने कहा कि इस दीपावली शिल्प मेला से न सिर्फ जरूरतमंद हस्त शिल्पियों की सहायता होगी, बल्कि काशी के आम लोग एवं पर्यटकों को भी सीधे हस्त शिल्पियों एवं बुनकरों से सस्ते मूल्य पर कलात्मक वस्तुएं खरीदने का अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए उन्होंने संयोजक अमनदीप शर्मा एवं उस्मान मलिक को बधाई देते हुए कहा, जो ग्राहक बनारस के आसपास के जिले से त्यौहार के समय आते हैं उनके लिए भी अच्छा अवसर है। मेला संयोजक अमनदीप शर्मा एवं उस्मान मलिक ने कहा कि शिल्प मेला में संपूर्ण भारत के हस्त शिल्पी एवं बुनकर अपने उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री करेंगे। यहां उत्तराखंड की सदरी कश्मीर के सूट शॉल, भदोही का कालीन, दिल्ली के लेदर बैग, पंजाब की फुलकारी, चंडीगढ़ के सूट उत्तराखंड की सदरी आदि अन्य उपयोगी वस्तु इस मेले में शामिल है। इस अवसर पर उपनिदेशक पर्यटन विभाग राजेंद्र कुमार रावत, यू पी सिंह (परीक्षेत्रीय ग्राम उद्योग अधिकारी वाराणसी मंडल) एवं राम अवतार जी मौजूद थे।

दशानन के अहंकार का दहन आज, कुंभकर्ण, मेघनाथ के साथ शूर्पणखा का भी होगा अंत!

वाराणसी। भगवान राम ने किस तरह से अहंकार को ध्वस्त किया था उसकी एकबानगी आज भी देखने को मिलेगी। दशहरा पर वर्षो पुरानी परंपरा के तहत शहर में रावण का दहन किया जायेगा। दशहरा 12 अक्टूबर, शनिवार को है. दशहरा को विजयादशमी के नाम से भी जानते हैं. वाराणसी के बरेका मैदान में इस बार 75 फीट का रावण, 65 फीट का कुंभकर्ण और 55 फीट के मेघनाद का पुतला बनकर तैयार हो गया है। सनातन के अनुसार, अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरा मनाते हैं. पौराणिक कथा के अनुसार, दशमी के दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया था, जिससे अधर्म पर धर्म की जीत हुई थी. इस वजह से हर साल इस तिथि को दशहरा मनाते हैं. वहीं मां दुर्गा ने दशमी को महिषासुर का वध किया था. इस वजह से भी यह दिन महत्वपूर्ण है. दशहरा के दिन आप देवी अपराजिता की पूजा करत हैं तो आपको कठिन से कठिन कार्यों में सफलता प्राप्त होगी और दुश्मनों पर विजय प्राप्त करेंगे. कहा जाता है कि रावण पर विजय के लिए प्रभु राम ने भी देवी अपराजिता की पूजा की थी. दशहरा के अवसर पर शमी के पेड़ और शस्त्रों की भी पूजा करते हैं. 12 अक्टूबर को दशहरा की पूजा विजय मुहूर्त में करते हैं. विजय मुहूर्त दोपहर में 02:03 बजे से 02:49 बजे तक है. इस दिन पूजा के लिए 46 मिनट का समय मिलेगा। दशहरा के दिन रावण दहन का मुहूर्त शाम 05.54 से रात 07.27 मिनट तक का मुहूर्त शुभ रहेगा। विजय मुहूर्त में देवी अपराजिता की पूजा की जाएगी.

मंत्री रविंद्र चव्हाण की संकल्पना से डोंबिवली रेलवे स्टेशन परिसर का नवीनीकरण

डोंबिवली स्टेशन की कायापलट

डोंबिवली, कल्याण (उत्तरशक्ति)। राज्य के लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण की संकल्पना से डोंबिवली रेलवे स्टेशन परिसर का नवीनीकरण किया गया है। दशहरा की पूर्व संध्या पर रविंद्र चव्हाण एवं भाजपा पदाधिकारियों के हाथों नवीनीकरण का लोकार्पण संपन्न हुआ। इस मौके पर जिलाध्यक्ष नरेंद्र सूर्यवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष शशिकांत कांबले, पूर्व स्थायी समिति सभापति विकास म्हात्रे, पूर्व नगरसेवक शैलेश धात्रक सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे। लोकार्पण के उपरांत मंत्री चव्हाण ने कहा कि स्टेशन परिसर में अवैध स्टाल और धंधों की भरमार थी, जिन्हें हटाने की मांग की जा रही थी। यहीं कारण है कि स्टेशन परिसर के अवैध स्टालों को हटाकर परिसर का सुशोभीकरण किया गया है। यहां एक खूबसूरत दीवार बनाई गई है, जिसपर डोंबिवली के उन कलाकारों और महानुभावों की तस्वीरें बनी है जिन्होंने, साहित्यिक, कला, संगीत, उद्योग आदि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी कुशलता के बलबूते पर डोंबिवली का नाम रोशन किया है। मंत्री चव्हाण ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी और खासकर डोंबिवली के नागरिक इन लोगों को अपना आइडल समझें और उनके महान कार्यों को याद करें इस मकसद से यह तस्वीरें बनाई गई है।

हे! जगजननी, रणचंडी, रण में शत्रुनाशिनी मां दुर्गे

वाराणसी। अद्भूत व अलौकिक काशी में जगत जननी आदिशक्ति माता दुर्गा पूजा की धूम है। शुक्रवार को दुर्गापूजा घूमने आएं श्रद्धालुओं की भीड़ ऐसी सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद थी, बावजूद इसके लोगों के हुजूम से सड़क पटा था।, सृष्टि की देवी, त्रिनेत्र धारणी मां जगदंबा की भक्ति में शहर का लीन-तल्लीन है। मइया के चरणों पर रखे ज्वार अंकुरित होकर प्रष्फुटित हो चुके है, तो मां के दर्शन के लिए भक्तों की उत्कंठा भी हिलोरे मारती रही। पूरे शहर में कौतूहल, भवानी के दर्शन में कहीं पीछे न छूट जाय, हर कदम बरबस पूजा पंडालों की ओर, भक्तों का कारवां हरपल बढ़ता रहा। सूरज ने रास्ता बदला, शाम ढली, तो फिर भक्तों का रेला जैसे निकल पड़ा। शहर के पूजा पंडाल एक से बढ़कर एक कहीं भारतीय संस्कृति की झलक तो कहीं भारतीय वास्तु कला का अद्भूत नजारा तो कहीं पौराणिक विरासत को याद कराती कलाकृति, इनकी भव्यता, सुंदरता ऐसी की हर कोई निहारता ही रह गया। कलाकारों की दक्षता-क्षमता पर इतराते लोग, बच्चों को कलाकृति की गुत्थियां समझाते बुजुर्ग, हर कदम पूजा पंडाल के पास जाकर ठीठक जाते। रातभर शहर गुलजार रहा। शाम हो या आधी रात, मेले की रौनक बनी रही। देवी दर्शन को सड़कों पर रेला लगा रहा। पूजा पंडालों के अंदर जितनी भीड़ थी, बाहर उससे ज्यादा लोग दर्शन को आतुर थे। कोई खरीदारी में मग्न, कोई खाने-पीने में तो काई माता की एक झलक पाने के लिए बेताब।

गहराती शाम संग रंगीन लाइटों से सजा पूजा पंडाल व आस-पास का माहौल भी जगमगा उठा। पूजा पंडाल की खूबसूरती व भव्यता के साथ मां की प्रतिमा को भी लोग देर तक निहारते नजर आए। आरती की, प्रसाद चढ़ाया और ढेर सारा आशीर्वाद लेकर एक ओर लोग जाते रहे तो दूसरी ओर नए लोग जुटते रहे। यही सिलसिला देर रात तक चलता रहा। सर्वस्वरूपे सवेर्शे सर्वेशक्तिसमन्विते। भयेभ्यस्त्रहि नो देवि दुर्गे देवि नमोहस्तुते।। शारदीय नवरात्र के नौवें दिन शहर हो या देहात देश के कोने कोने में दुर्गोत्सव का उल्लास, भक्ति और आराधना के रुप में प्रकट हो रहा है। आस्था का सैलाब सड़कों पर दिखा। सबके चेहरे पर उल्लास और उत्साह। पंडालों में विराजमान आदि शक्ति जगत जननी मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने सबके सब कतारबद्ध खड़े दिखे। भक्तों ने माथा टेक मां से सुख, शान्ति व समृद्धि की कामना की।